सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन का बड़ा कदम, नसल प्रभावित दंतेवाड़ा में बनाएगा 50 मैदान -पेज: 7

जेनेलिया ने बताया डूयों उन्हें नहीं मिलते 'सितारे जमीन पर जैसे रोल -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 68 | सोमवार 16 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

इजरायल-ईरान के बीच मध्यस्थता कर सकते हैं पीएम मोदी, इजरायली राजदूत रूवेन बोले- यह दिल्ली के लिए अच्छी बात होगी

भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने इस संभावना से इनकार नहीं किया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पश्चिम एशिया में संघर्ष समाप्त करने के लिए इजरायल और ईरान के बीच मध्यस्थता कर सकते हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने इस संभावना से इनकार नहीं किया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पश्चिम एशिया में संघर्ष समाप्त करने के लिए इजरायल और ईरान के बीच मध्यस्थता कर सकते हैं। उन्होंने भारत को इजरायल का अच्छा मित्र बताया और कहा कि ईरानियों के साथ भी नई दिल्ली की अच्छी बातचीत होती है। हम मध्यस्थता की संभावना को खारिज नहीं करते- रुवेन जार ने एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान करते हैं। मुझे लगता है कि वह एक महान नेता हैं। वह भारत की समृद्धि के लिए बहुत प्रभावी साबित हुए हैं। हम मध्यस्थता की संभावना को खारिज नहीं करते हैं। शुक्रवार को 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' शुरू करने के कुछ घंटों बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित दुनिया के शीर्ष नेताओं को फोन कर उन्हें ईरान पर हमलों के बारे में जानकारी दी। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने भारत की चिंताओं को साझा किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली पर जोर दिया। तेहरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान उचित ईरान पर धोखा देने और परमाणु हथियार बनाने के बहुत करीब होने का आरोप लगाते हुए रूवेन अजार ने तेहरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान को उचित ठहराया। आगे कहा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार को देश के अस्तित्व की रक्षा के लिए एहतियाती कदम उठाना पड़ा। हमारी खुफिया जानकारी के अनुसार ईरान परमाणु हथियार बनाने के बहुत करीब था। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बातचीत के लिए दिए गए 60 दिनों के समय का फायदा उठा रहा था। परमाणु तकनीक 80 साल पुरानी साथ ही उन्होंने कहा कि परमाणु तकनीक 80 साल पुरानी है। यह कोई जटिल काम नहीं है। सवाल यह था कि क्या ईरान फिर से अपने आश्वासन का उल्लंघन करने जा रहा है कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। हम जानते थे कि वह धोखा दे रहा है। हमारे लिए यह अस्तित्व का मुद्दा है। जब ईरान जैसा कट्टरपंथी देश हमें नष्ट करने की कसम खाता है, तो हम इसे गंभीरता से लेते हैं। रुवेने ने कहा कि जब वह ऐसा करने के लिए हथियार हासिल करने की कोशिश करता है, तो हम इसे और भी गंभीरता से लेते हैं। यह पूछे जाने पर कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने बदला लेने की कसम खाई है, यह खतरा कितना गंभीर है? इजरायल आपातकाल की स्थिति में है रूवेन अजार ने कहा कि हम हमेशा इन खतरों को बहुत गंभीरता से लेते हैं। इजरायल आपातकाल की स्थिति में है। हमने अपने नागरिकों को आश्रय स्थलों के पास रहने का निर्देश दिया है। शहरी क्षेत्रों में बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर ईरान युद्ध अपराध कर रहा है।

उत्तराखंड में हुए हेलीकॉप्टर हादसे से व्यथित हूं: ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि वह उत्तराखंड में केदारनाथ मंदिर के पास हुए हेलीकॉप्टर हादसे से व्यथित हैं। इस दुर्घटना में हेलीकॉप्टर सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में हेलीकॉप्टर चालक, बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के एक कर्मचारी और पांच तीर्थयात्रियों सहित सात लोगों की मौत हो गई। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, आज सुबह एक और नागरिक विमानन हादसे की दुखद खबर आई है और इस बार उत्तराखंड के केदारनाथ-गौरीकुंड-गुप्तकाशी क्षेत्र से। हेलीकॉप्टर में एक बच्चे और चालक सहित कुल सात लोग सवार थे। उन्होंने लिखा, हम बचाव और खोज अभियान का परिणाम सामने आने का इंतजार कर रहे है। मेरी प्रार्थनाएं हेलीकॉप्टर में सवार प्रत्येक व्यक्ति के साथ हैं। अधिकारियों के अनुसार, हेलीकॉप्टर सुबह करीब साढ़े पांच बजे केदारनाथ से गुप्तकाशी के लिए रवाना हुआ था और थोड़ी ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे का स्थल गौरीकुंड से लगभग पांच किलोमीटर ऊपर गौरी माई खरक के पास बताया गया है।

जहरीली शराब से लोग मर रहे हैं लेकिन. पंजाब में केजरीवाल पर बरसीं रेखा गुप्ता

रेखा गुप्ता ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल ने राज्य सरकार को खोखला कर दिया है... आज आपने (केजरीवाल) अपनी गलत नीतियों के कारण इसे 4 लाख करोड़ के कर्ज.तले दबा दिया है।

नई दिल्ली (एजेंसी): लुधियाना में उपचुनाव के बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता वहां प्रचार के लिए पहुंची हैं। रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब से लोग मर रहे हैं लेकिन आप (अरविंद केजरीवाल) क्या कर रहे हैं? आप बिल्डर माफि या के साथ मिलकर गरीब किसानों की जमीन हड़प रहे हैं। दिल्ली की जनता जिसने आपको (अरविंद केजरीवाल) इतना समर्थन दिया था, वो आपसे थोड़ा नाराज हो गई और आप पंजाब में आकर बैठ गए। रेखा गुप्ता ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल ने राज्य सरकार को खोखला कर दिया है... आज आपने (केजरीवाल) अपनी गलत नीतियों के कारण इसे 4 लाख करोड़ के कर्ज.तले दबा दिया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू लुधियाना पश्चिम उपचुनाव के लिए भाजपा के 40 स्टार प्रचारकों में शामिल हैं। मंगलवार शाम को पार्टी द्वारा जारी की गई सूची में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, पंजाब पार्टी प्रमुख सुनील जाखड़, मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, पूर्व मंत्री हरदीप सिंह पुरी, अनुराग ठाकुर और विजय सांपला तथा गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के नाम भी शामिल हैं। सूची में शामिल भाजपा के दिल्ली कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने हाल ही में लुधियाना पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में प्रचार किया है।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बोले अमित शाह, आतंकवादियों के मुख्यालयों को कर दिया गया जमींदोज

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में एक भव्य समारोह में शामिल हुए, जहां उन्होंने उत्तर प्रदेश के 60,244 नवचयनित पुलिस रिक्रूटों को नियुक्ति पत्र वितरित की। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। यह भर्ती अभियान उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे बड़ी एकल पुलिस भर्ती पहल है। नवचयनित रिक्रूटों में 48,196 पुरुष और 12,048 महिलाएं हैं। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस के राज में हर दिन आतंकवादी हमले होते थे। पीएम मोदी के राज में पाकिस्तान ने तीन बार भारत पर हमला करने की कोशिश की। शाह ने कहा कि जब उन्होंने उरी में कोशिश की तो उनका सर्जिकल स्ट्राइक किया गया। पुलवामा के बाद उनका एयर स्ट्राइक किया गया और पहलगाम के बाद ऑपरेशन सिंदूर से आतंकवादियों के मुख्यालयों को जमींदोज कर दिया गया। पीएम मोदी ने पूरे देश को संदेश दिया कि भारत का खून बहाने के लिए नहीं है और जो भी ऐसा करने की हिम्मत करेगा, उसे सजा मिलेगी। अमित शाह ने कहा कि हमने महिलाओं के लिए जो आरक्षण दिया था, उसे उत्तर प्रदेश में पूरी तरह लागू किया गया है। अगर मैं पीएम मोदी के शब्दों का इस्तेमाल करूं तो आप 'अमृतकाल' में यूपी पुलिस में शामिल होने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज मेरे सामने बैठे युवाओं के जीवन का सबसे शुभ दिन है क्योंकि आज उत्तर प्रदेश के हर जाति, समुदाय और जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले 60 हजार से ज्यादा युवा भारत के सबसे बड़े पुलिस बल का सक्रिय हिस्सा बनने जा रहे हैं। राज्य की कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही थी। लेकिन 2017 में राज्य में भाजपा की सरकार बनने और योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस फिर से नई ऊंचाइयों को छूने की ओर अग्रसर हो गई। शाह ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आज तक पुलिस बल में भर्तियां जाति के आधार पर होती थीं। लेकिन आज तकनीक के माध्यम से पारदर्शिता के कारण आप सभी की नियुक्ति हुई है। आज सीसीटीवी कैमरे हैं, कंट्रोल रूम हैं, कमांड सेंटर हैं,पीसीआर वन है, 150 से ज्यादा FSL यूनिट हैं।

बीजेपी का बाबा साहेब, संविधान या आरक्षण नीतियों से कोई संबंध नहीं : तेजस्वी यादव

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि उसके नेताओं का बीआर अंबेडकर, संविधान या आरक्षण नीतियों से कोई संबंध नहीं है।

बिहार (एजेंसी): राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि उसके नेताओं का बीआर अंबेडकर, संविधान या आरक्षण नीतियों से कोई संबंध नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने अपने पिता और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का बचाव भी किया। हम अंबेडकर की विचारधारा को मानने वाले लोग हैं-दरअसल, तेजस्वी लालू प्रसाद यादव के हालिया जन्मदिन समारोह को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जहां भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया था कि राजद सुप्रीमो ने कार्यक्रम के दौरान अंबेडकर का अपमान किया। तेजस्वी ने कहा, "इन (बीजेपी) लोगों का बाबा साहेब, संविधान और आरक्षण से कोई लेना-देना नहीं है। लालू यादव ने बिहार में बाबा साहेब अंबेडकर की कई मूर्तियां स्थापित की हैं। हम अंबेडकर की विचारधारा को मानने वाले लोग हैं। भाजपा केवल झूठ फैलाती है।"उन्होंने आगे कहा, "लालू यादव 78 साल की उम्र में 10 घंटे काम करते हैं और लोगों से मिलते हैं। वह बीमार हैं, फिर भी वे उन पर इस तरह का आरोप लगाते हैं।" बता दें कि लालू प्रसाद यादव को अपने 78वें जन्मदिन का केक तलवार से काटते हुए देखे जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया, जिसकी भाजपा नेताओं ने आलोचना की और दावा किया कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों और अंबेडकर की विरासत के प्रति अनादर का प्रतीक है। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा, "यह साफ दिख रहा है कि लालू प्रसाद यादव राजा बनने और लोकतंत्र की हत्या करने की कोशिश कर रहे हैं। जिस तरह से बाबासाहेब अंबेडकर की तस्वीर का अपमान किया गया, उससे साफ पता चलता है कि लालू यादव बाबासाहेब अंबेडकर का अपमान करने की कोशिश कर रहे हैं।" केक काटने के दौरान इस्तेमाल की गई तलवार पर टिप्पणी करते हुए चौधरी ने कहा, "यह आपराधिक मानसिकता है। आज उन्होंने तलवार से अपना केक काटा, जब वे सत्ता में आएंगे, तो इसे एके-47 से काटेंगे।"

3 दिन में महज 32 शवों की हुई पहचान, पूर्व सीएम विजय रूपाणी का डीएनए सैंपल भी हुआ मैच

अहमदाबाद (एजेंसी): अहमदाबाद प्लेन क्रैश को तीन दिन बीत चुके हैं। यह हादसा इतना भयानक था कि शवों की शिनाख्त करना भी मुश्किल हो गया है। अब तक डीएनए टेस्टिंग की मदद से सिर्फ 32 शवों की ही पहचान हो सकी है। 14 शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। अतिरिक्त सिविल अधीक्षक डॉ. रजनीश पटेल ने रविवार को बताया कि गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के शव की भी डीएनए टेस्टिंग की गई। 12 जून को हुए विमान हादसे में उनकी भी मौत हो गई थी। प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले लोगों में ज्यादातर मृतक गुजरात और राजस्थान के हैं। हादसे में लोगों के शव बुरी तरह से झुलस गए हैं, ऐसे में उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया है। यही वजह है कि सभी शवों की डीएनए टेस्टिंग की जा रही है, जिससे उनकी शिनाख्त की जा सके। पीड़ित परिवारों से संपर्क करने के लिए 230 टीमों का गठन किया गया है। बता दें कि 12 जून की दोपहर को अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई 171 बीजे मेडिकल कॉलेज के मेस से टकराकर क्रैश हो गई। इस दौरान फ्लाइट में 242 लोग सवार थे, जिनमें से 241 लोगों की मौत हो गई और 1 शख्स ही जिंदा बच सका। हाई लेवल कमेटी करेगी जांच प्लेन क्रैश में बीजे मेडिकल कॉलेज के 5 एमबीबीएस छात्र समेत 29 लोगों की भी जान चली गई। प्लेन क्रैश की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। केंद्र सरकार ने इसके लिए 8 एजेंसियों की हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी 3 महीने में अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

तेलंगाना-कर्नाटक में सत्ता की अंदरूनी रस्साकशी को साधना कांग्रेस की चुनौती, नेता बन रहे सिरदर्द

कांग्रेस के लिए दक्षिण के दो महत्वपूर्ण राज्यों कर्नाटक तथा तेलंगाना में अपनी सरकारों में चल रहे सत्ता सियासत की अंदरूनी रस्साकशी को साधना आसान नहीं हो रहा है।

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस के लिए दक्षिण के दो महत्वपूर्ण राज्यों कर्नाटक तथा तेलंगाना में अपनी सरकारों में चल रहे सत्ता सियासत की अंदरूनी रस्साकशी को साधना आसान नहीं हो रहा है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और डिप्टी सीएम तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के बीच चल रहा सत्ता पर नियंत्रण का दांव-पेंच पार्टी नेतृत्व की सिरदर्दी बना हुआ है। कांग्रेस के लिए चुनौती घरेलू कलह वहीं तेलंगाना में भी नेताओं-विधायकों की सत्ता में हिस्सेदारी के जोर मारते उबाल को थामे रखना चुनौती के रूप में उभर रही है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की अपनी कैबिनेट के पहले बहुप्रतीक्षित विस्तार में भी इसकी झलक दिखी जब छह की जगह केवल तीन विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह दी गई और भविष्य की सियासत को साधने का विकल्प बना रहे। तेलंगाना और कर्नाटक की कांग्रेस सरकारों के लिए अपने स्थानीय नेताओं की दावेदारी और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की स्वाभाविक चुनौतियां तो है ही। साथ ही उनके सामने दोहरी चुनौती कांग्रेस की राष्ट्रीय सियासत में नीतिगत तथा राजनीतिक विमर्श को भी जगह देना है। कर्नाटक की 2015 की जातीय जनगणना रिपोर्ट को ठंढ़े बस्ते में जातीय जनगणना तथा आबादी के हिसाब से भागीदारी का राहुल गांधी का सामाजिक न्याय के एजेंडे की सियासत को आगे बढ़ाना इसमें जाहिर तौर पर दोनों सरकारों के लिए प्राथमिकता में है। कर्नाटक की 2015 की जातीय जनगणना रिपोर्ट को ठंढ़े बस्ते में डालकर नए सिरे से सामाजिक-आर्थिक आधार पर जातिवार जनगणना कराने की घोषणा हो या फिर तेलंगाना में पिछले रविवार को हुआ कैबिनेट विस्तार में शामिल किए गए तीन मंत्रियों का चयन सब कुछ इसी हिसाब से हुआ है। तेलंगाना में जिन तीन विधायकों को मंत्री बनाया गया है उसमें दो दलित तथा एक ओबीसी वर्ग के हैं। जबकि अनुसूचित जनजाति वर्ग को साधने के लिए रामचंद्र नायक को विधानसभा का डिप्टी स्पीकर बनाया गया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कांग्रेस हाईकमान को राजी नहीं कर पाए बताया जाता है कि इस क्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तमाम प्रयासों के बावजूद अपनी एक पसंद पी सुदर्शन रेडडी को मंत्री बनाने के लिए हाईकमान को राजी नहीं कर पाए। दरअसल मंत्रिमंडल विस्तार के लंबे समय से लटकने की वजह तेलंगाना के पुराने कांग्रेसी नेताओं तथा रेवंत समर्थकों की दावेदारी ही नहीं पार्टी की सामाजिक न्याय की राजनीति का नया दांव भी रहा। यही वजह रही कि मार्च महीने के आखिर में पार्टी हाईकमान से हरी झंड़ी मिल जाने के बावजूद रेवंत को अपने मंत्रिमंडल विस्तार के लिए दो महीने लग गए और फिर भी अपनी पसंद का एक भी चेहरा शामिल नहीं कर पाए। अंदरूनी खींचतान कांग्रेस पर भारी ना पड़ जाए दिलचस्प यह भी है कि रेवंत जिस सुदर्शन रेड्डी को कैबिनेट में लाकर गृहमंत्री बनाना चाहते थे उनका प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ भी विरोध कर रहे थे। वहीं विधानसभा चुनाव के समय सत्ता में भागीदारी की महत्वाकांक्षा से कांग्रेस में वापस लौटे कोमाटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी जैसे कुछ विधायकों को भी मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है और ऐसे में अंदरूनी खींचतान सहजता से थमने के आसार नहीं है।

संपादकीय

भारत-कनाडा रिश्तों में जमी बर्फ पिघली

इजरायल और ईरान में जंग के बीच भारतीय प्रधानमंत्री जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने कनाडा पहुंच रहे हैं। उन्हें कनाडा आने का कथित निमंत्रण न मिलने पर कांग्रेस इस नतीजे पर पहुंच गई थी कि भारतीय प्रधानमंत्री को जी-7 सम्मेलन में भाग लेने के लिए न बुलाया जाना मोदी सरकार की कमजोर कूटनीति का प्रमाण है। इसके बाद जब कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मोदी को निमंत्रण दे दिया तो कहा गया कि यह देर से दिया गया, लेकिन आखिर देरी को कैसे परिभाषित किया जाएगा? वैसे भारतीय प्रधानमंत्री को जी-7 में भाग लेने के लिए निमंत्रण देने को लेकर कनाडा में भी सवाल उठे। इनका जवाब देते हुए मार्क कार्नी ने कहा था कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के साथ कई आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र में है। मार्क कार्नी ने खालिस्तान समर्थक आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में तथाकथित भारतीय एजेंटों का हाथ होने के आरोपों की जांच से जुड़े सवाल पर कहा था कि कानूनी एजेंसिया अपना काम कर रही हैं। यह समझा जाना चाहिए कि मार्क कार्नी का भारत समेत अन्य अनेक मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से अलग रवैया है। इसका प्रमाण यह खबर है कि भारत और कनाडा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के लिए एक-दूसरे से खुफिया जानकारी साझा करेंगे। मार्क कार्नी तब कनाडा के अंतरिम पीएम बने थे, जब घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपने रवैये के कारण जस्टिन ट्रूडो की फजीहत हो गई थी। उनकी ही पार्टी की ओर से उन पर प्रधानमंत्री पद छोड़ने का दबाव था। वह प्रधानमंत्री बने रहते तो लिबरल पार्टी बुरी तरह हारती। कनाडा-भारत संबंध बिगड़ने के लिए जस्टिन ही जिम्मेदार थे। वे अपने कार्यकाल में खालिस्तान समर्थकों को खुश करने में लगे रहे और तब तो ऐसा करना उनकी मजबूरी हो गई थी, जब अपनी अल्पमत सरकार चलाने के लिए वे खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी(एनडीपी) के समर्थन के मोहताज हो गए थे। उन्होंने जगमीत और अन्य खालिस्तान समर्थकों को खुश करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आतंकी निज्जर मामले में उन्होंने यह हास्यास्पद बयान दिया था कि उसकी हत्या में भारतीय एजेंटों के हाथ होने के 'पुख्ता आरोप' मिले हैं। यह पहली बार था, जब किसी शासनाध्यक्ष ने प्रमाण नहीं, बल्कि आरोपों के आधार पर किसी देश को कठघरे में खड़ा किया हो और वह भी ऐसे शख्स की हत्या के मामले में, जो अवैध तरीके से कनाडा पहुंचा था और जिसे भारत में आतंकी करार दिया गया था। इसके बाद कनाडा-भारत संबंध बिगड़ने ही थे औ? वे बिगड़े भी। जस्टिन ट्रूडो की जगह अंतरिम प्रधानमंत्री बने मार्क कार्नी परंपरागत राजनेता नहीं हैं। वह व्यवसायी रहे हैं और भारत से संबंधों समेत अन्य मामलों को अपनी तरह से देखते हैं। इसके संकेत तभी मिल गए थे, जब चुनाव प्रचार के दौरान उनकी सभाओं में खालिस्तानी झंडे नहीं दिखे।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी।

अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई। सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया।

सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ?से मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ?से मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

चिंतन-मनन

ब्रह्म मुहूर्त में क्यों जागे

साढ़े तीन बजे का महत्व सिर्फ 33 डिग्री अक्षांश तक के लिए ही होता है। 3.40 पर सूर्य उस जगह पहुंच जाता है, जहां उसका सीधा संबंध पृथ्वी से हो जाता है। इस समय उसकी किरणें ठीक आपके सिर के ऊपर होती हैं। जब सूर्य की किरणें धरती के दोनों तरफ एक ही जगह पड़ती हैं, तो इंसान का सिस्टम एक खास तरीके से काम करने लगता है और तब एक संभावना बनती है। इस संभावना के इस्तेमाल करने को लेकर लोगों में जागरूकता रही है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। वैसे तो सूर्य हमेशा आपके सिर के ऊपर ही होता है, लेकिन जब मैं कहता हूं कि सूर्य ठीक आपके सिर पर है तो इसका मतलब है उस समय वह आपके सिर पर लंबवत है। उस समय यह एक विशेष तरीके से काम करता है। यह समय होता है 3.4? से लेकर अगले 12 से 20 मिनट तक।

अब सवाल आता है कि इस समय में हम क्या करें? इस समय में हम ध्यान करें या क्रिया करें? इससे कोई फर्प नहीं पड़ता कि आप क्या करें। इस समय में आपको वही करना चाहिए, जिसमें आपको दीक्षित किया गया है। दरअसल, दीक्षा का मतलब यह नहीं है कि आपको कोई क्रिया सिखाई गई है, इसका मतलब है कि इस क्रिया से आपके सिस्टम को परिचित करा कर आपके सिस्टम में इसे बाकायदा स्थापित किया गया है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। उसकी वजह है कि इस समय धरती आपके सिस्टम के अनुसार काम करती है। अगर आप खास तरीके से जागरूक हो जाते हैं, आपके भीतर एक खास स्तर की जागरूकता आ जाती है तो आपको इस समय का सहज रूप से अहसास हो जाता है। अगर आप सही वक्ति पर सोने चले जाते हैं तो आपको उठने के लिए घड़ी देखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आपको हमेशा पता चल जाएगा कि कब 3.40 का वक्ति हो गया है, क्योंकि यह वक्ति होते ही आपका शरीर एक अलग तरीके से व्यवहार करने लगेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

ईरान के जवाबी हमले से घबराया इजराइल, नेतन्याहू बंकर में...

सनत जैन

ईरान और इजराइल के बीच युद्ध तेज हो गया है, यह टकराव इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जा रहा है। इजराइल ने ईरान पर सुनयोजित रूप से कई परमाणु ठिकानों पर हमले किए। रिफाइनरी, एयरबेस, न्यूक्लियर ठिकानों से लेकर रेजिडेंशियल इलाकों मे इजराइल ने ईरान के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। जैसे ही रात का अंधेरा फैला, ईरान ने इजरायल के ऊपर जवाबी कार्रवाई की। ईरान के हमले से इजराइल कांप उठा। इजराइल को इस तरह के हमले की जरा भी उम्मीद नहीं थी। खासकर हाइफा पर हुए मिसाइल हमलों ने इजरायल के आर्थिक और सैन्य ढांचे को हिलाकर रख दिया। हाइफा पर भारत के अडानी समूह का नियंत्रण है। जहां इजराइल की सबसे बड़ी रिफाइनरी और प्रमुख पोर्ट स्थित हैं। हाइफा मे अब चारो ओर आग धधक रही है। पूरा हाईफा आग में झुलस रहा है। इससे अडानी समूह को भारी नुकसान हुआ है। वहीं इजराइल को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ईरान ने पहली बार हाइपरसोनिक मिसाइल का प्रयोग किया। जिससे इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम की नाकामी उजागर हो गई है। इस हमले में इजरायल की कई इमारतें धराशायी हो गईं हैं। सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। इजराइल के सभी क्षेत्रों में भय का माहौल देखने को मिल रहा है। इन हमलों से घबराए प्रधानमंत्री नेतन्याहू बंकर में जाकर छिप गये है। ईरान के जवाबी हमले इजराइल के लिए यह स्पष्ट संकेत है। ईरान के साथ यह लड़ाई अब आसान नहीं है। इजराइल कई वर्षों से हिजबुल्ला, हमास जैसे संगठनों से लड़ता आया है। ईरान का यह जो जवाबी हमला था, उसके सामने अब इजरायल पहली बार असहज हो गया है। अभी तक यह माना जाता था कि इजराइल का मुकाबला करने की स्थिति किसी के पास नहीं है। इजराइल के पास बाहरी हमलो को रोकने और दूसरे देशों में हमले करने की जो तकनीकी है। उसका कोई भी देश मुकाबला नहीं कर सकते हैं। ईरान के इस हमले से यह धारणा अब टूट गई है। अमेरिका की 7.4 अरब डॉलर की आपात मदद और मिसाइल आपूर्ति के बावजूद इजराइल के लिए यह युद्ध अब आसान नहीं रहा। चीन और रूस का खुला समर्थन ईरान को मिल रहा है। जिससे यह टकराव वैश्विक राजनीतिक लड़ाई में बदलता जा रहा है। भारत ऐतिहासिक रूप से ईरान का सहयोगी रहा है। भारत और ईरान के बीच हजारों वर्ष पुराने संबंध हैं। इस युद्ध में कूटनीतिक रूप से भारत निष्क्रिय और असमंजस की स्थिति में दिखाई दे रहा है। भारत की चुप्पी और ईरान से दूरी, चीन को मध्य-पूर्व में ताकतवर शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। भारत को समझना होगा, संतुलित और गुटनिरपेक्ष विदेश नीति ही भारत की पहचान रही है। वर्तमान में भारत का इजरायल के प्रति एकतरफा झुकाव न केवल भारत की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाएगा। हमारी क्षेत्रीय भूमिका को भी वैश्विक स्तर पर कमजोर करेगा। इसका फायदा चीन उठा रहा है। जरूरत इस बात की है, भारत स्पष्ट रुख अपनाए। वर्तमान में अमेरिका और इजरायल जिस तरह से एकजुट होकर सारी दुनिया के देशों को धमका रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से सारी दुनिया के देशों को टैरिफ बार के जरिए कंट्रोल करना चाहते थे। उसको लेकर अमेरिका का विरोध सारी दुनिया में बढा है। अमेरिका के मुकाबले चीन सबसे सशक्त भूमिका में नजर आने लगा है। पिछले दो दशक में चीन ने बिना किसी विवाद में पड़े, अपने व्यापार और कारोबार को तेजी के साथ बढ़ाया है। एशियाई देशों में समझौते के माध्यम से बहुत बड़े भूभाग पर चीन ने कब्जा किया है। चीन आर्थिक सामरिक और कूटनीति मे बड़ा शक्तिशाली हुआ है। भारत ही एक ऐसा देश है जो चीन के मुकाबले में खड़ा हो सकता है। चीन की कोशिश हमेशा भारत को आगे बढ़ने से रोकने की होती है। डोनाल्ड ट्रंप जिस तरीके की दादागिरी कर रहे हैं। उसको रोकने के लिए अब चीन और रूस जैसे शक्तिशाली देश ईरान के समर्थन में आकर खड़े हो गए हैं। जिसके कारण ईरान की स्थिति मजबूत हुई है। भारत की ईरान को लेकर चुप्पी, इजराइल के प्रति असाधारण प्रेम, पिछले दो वर्षों से फिलिस्तीन पर इजराइल के हमले से लाखों लोगों की मौत पर भारत की अनदेखी से भारत वैश्विक मंच पर बहुत कमजोर हुआ है। भारत के अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंध खराब हुए हैं। ईरान जैसे देश के साथ हमारे वह रिश्ते नहीं रहे, जो पहले थे। युद्ध के खिलाफ, मानवता और कूटनीति का संतुलन भारत को हमेशा विशिष्ट बनाता रहा है। कुछ

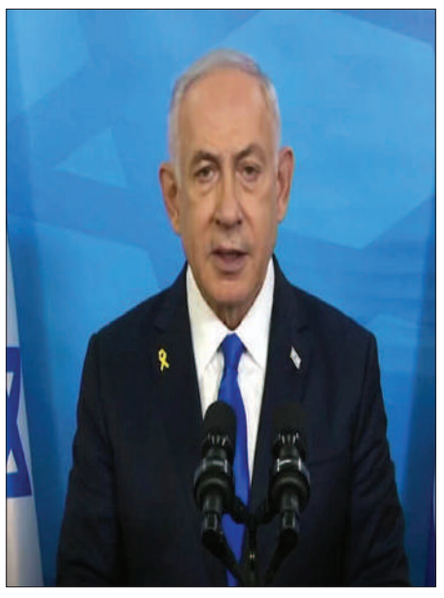

वर्षों में भारत वैश्विक स्तर पर काफी कमजोर हो गया है। चीन का प्रभाव बड़ी तेजी के साथ बढा है। ऐसी स्थिति में भारत को अपनी विदेश नीति, पड़ोसियों के साथ संबंध तथा दो सांड़ों की लड़ाई में भारत को कैसे सुरक्षित रखना है। इसके लिए सोच समझकर निर्णय लेने होंगे। चुप्पी साधने से कोई मामला हल नहीं होगा। जिस तरह की वैश्विक स्थितियां बन रही हैं उसमें तीसरे विश्व युद्ध की आशंका व्यक्त की जाने लगी है। ऐसी स्थिति में भारत की भूमिका अभी भी बहुत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत सरकार को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है।

जैनरिक दवा मैडिकल माफियाओं के गिद्ध दृष्टि की गिरफ्त में...

विनोद कुमार सिंह,

प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना जन औषधि केन्द्र के माध्यम से आम जनता को दस्ती व अच्छी दवा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है,लैकिन यथार्थ की घरातल पर इस योजना का नजारा कुछ और ही है।आपको बता दे कि भारत में जेनेरिक दवा बेचने के 9500 से भी अधिक जन औषधि केन्द्र हैं।इन अधिकत्तर केन्द्रों में नागरिकों को जेनेरिक दवा नहीं मिल रही है।अगर कहीं जेनेरिक दवा उपलब्ध है भी तो डॉक्टरों तथा निजी दवा कंपनियों का गठजोड़ उन जेनेरिक दवा का प्रयोग के रास्ते में बड़ा बाधक बन रहा है।60 श्रेणी की 60,000 किस्म की दवाइयां उन औषधि केन्द्रों के लिए बनाई जाती है,फिर भी ब्रांडेड औषधि के मुकाबले जेनेरिक औषधियों का उत्पादन हिस्सा मात्र डेढ़ प्रतिशत ही है। जो इस बात का पुष्टि करता है कि आज भी ब्रांडेड फार्मा कंपनियों का ही बाजार में बोलबाला है।सर्व विदित रहें फार्मा कम्पनी दवा के नाम पेटेंट करा कर ऊँची कीमत पर बेचती हैं,जबकि जेनेरिक दवा 40 से 90 प्रतिशत तक कम मूल्य पर उपलब्ध हैं।उदाहरण के तौर पर क्रॉसिन व डोलो का शुद्ध साल्ट पेरासिटामोल है किन्तु पेटेंट नाम होने से साल्ट कई गुणा ऊंची कीमत पर बिकता है।स्वास्थ्य मंत्रालय ने चिकित्सकों को जेनेरिक औषधियां मरीज के पर्चे पर लिखने की सलाह दी तो इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आई एम ए)ने आसमान सिर पर उठा लिया।पूरे देश में जेनेरिक औषधियों के विरुद्ध एक अभियान चलाया गया।मरीजों और उनके रिस्तेदारों को यह बताया गया कि जेनेरिक दवायें बकवास हैं,30 प्रतिशत भी असरदार नहीं।खासकर कैंसर व हार्ट रोग की जेनेरिक दवाइयां तो बिल्कुल बेअसर है।भारत सरकार की जेनेरिक दवा योजना को डॉक्टरों व दवा कंपनियों के साथ गठजोड़ कर रखा है।इसी कारण तमाम डाक्टरों ने मिलकर भारत सरकार में स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह को रद्दी की टोकरी में डाल दिया है।आश्चर्य है कि सरकारी अस्पताल के डॉक्टर्स भी पर्ची पर ब्रांडेड दवाइयों के नाम लिखते हैं जबकि उन्हे स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जेनेरिक औषधि को प्रिस्क्राइब करने के आदेश हैं।कई नीजी अस्पताल मे सरकारी डॉक्टर अपना प्राइवेट प्रैक्टिस करते हैं,जिन्होंने अपने निजी क्लीनिक पर स्वयं मेडिकल स्टोर खोल रखा है या खुलवा रखा है,वहां जेनेरिक औषधि नहीं,केवल ब्रांडेड दवायें ही मिलती है।अधिकांश जन औषधि केन्द्रों पर दवाओं की उपलब्धता नहीं होती।80 प्रतिशत ऐसा ही होता है।जिला अस्पताल के सामने एक मेडिकल स्टोर पर भी जन औषधि केन्द्र का बोर्ड लटका है।वहां भी जेनेरिक दवाइयां कम ही उपलब्ध हैं।देश के किसी भी कोने में जाएं जेनेरिक दवा की योजनान को धंधेबाज पूरी तरह से हजम कर चुके हैं।नीजी अस्पतालों,क्लिनिकों तथा नर्सिंग होम का और भी बुरा हाल है।कुछ डॉक्टर्स ऐसे भी हैं जिनकी लिखी दवा उनके ही मेडिकल शॉप में मिलेगी या फिर किसी खास दवाई दुकान में।अगर कोई मरीज जेनरिक दवा खरीद कर पैसा बचाना भी चाहे तो वो ऐसा नहीं कर सकता।कई मेडिकल स्टोर में इन दवाइयों पर छूट दी जाती है लेकिन यहां पर कुछ डॉक्टर के प्रिस्क्राइब दवा नहीं मिलने में परेशानी होती है।इस संदर्भ मे माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने एक मई 2025 को मौखिक रूप से टिप्पणी की है कि यदि डॉक्टरों को केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखने के लिए विधिक रूप से बाध्य किया जाए,तो फार्मा कंपनियों द्वारा महंगी ब्रांडेड दवाओं के प्रचार हेतु डॉक्टरों को दी जाने वाली कथित घूस की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकती है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ,न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की खंडपीठ इस विषय पर दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी,जिसमें यह आरोप लगाया गया है कि दवा कंपनियां व्यवसाय बढ़ाने और महंगी व अनावश्यक दवाओं को लिखवाने के लिए डॉक्टरों को घूस देती हैं।

माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने एक मई 2025 को मौखिक रूप से टिप्पणी की है कि यदि डॉक्टरों को केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखने के लिए विधिक रूप से बाध्य किया जाए,तो फार्मा कंपनियों द्वारा महंगी ब्रांडेड दवाओं के प्रचार हेतु डॉक्टरों को दी जाने वाली कथित घूस की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकती है

सुप्रीम कोर्ट ने दवा कंपनियों से जुडी याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है।इस याचिका में दवा कंपनियों पर मनमानी का आरोप लगाया गया था। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने कहा कि 'राजस्थान में अब एक कार्यपालक आदेश है कि प्रत्येक डॉक्टर को केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखनी चाहिए।सुप्रीम कोर्ट के इस मौखिक निर्देश का भी डाक्टरों तथा प्राइवेट कंपनियों ने मजाक बना कर रखा है।मेडिकल माफिया का खुला चालेंजहै कि वह भारत में जेनेरिक दवा नहीं बिकने देंगे।कुल मिला प्रधान मंत्री की महत्वाकांक्षी जेनेरिक दवाओं योजना पर मेडिकल माफिया की गिद्ध दृष्टि गिरफ्त हैं।

अस्थिरता के दौर में सिद्धांत...

हाल के समय में विश्व में अस्थिरता बहुत बढ़ गई है। विश्व के सबसे जाने-माने अनेक देश और उनके बड़े नेता बहुत अस्थिरता भरा व्यवहार कर रहे हैं। इससे दुनिया में समस्याएं बढ़ रही हैं। इसकी कुछ अन्य देशों पर प्रतिक्रिया यह हो रही है कि स्थितियां देख कर जो अधिक लाभ वाली नीति लगे वही अपना लो। ऐसे दौर में कम ही लोग बचे हैं जो सिद्धांतों और सिद्धांत पर चलने की अधिक बात करें। फिर भी यह जोर देकर कहने की जरूरत है कि अस्थिरता के इस दौर में सही सिद्धांत का चुनाव और इन सिद्धांतों के लिए अपनी प्रतिबद्धता ही सबसे उचित राह है।

अवसरवादी तव तरह-तरह के अनिश्चय और उठापटक में भटकते ही रहेंगे जबकि सही सिद्धांतों के मार्गदर्शन को अपनाने वाले सही अर्थों में प्रगति भी कर सकेंगे और उनका अपने में और अपनी राह में गहरा विश्वास भी बना रहेगा। हमारे देश के मूल सिद्धांत क्या होने चाहिए? हम सही सिद्धांतों का चुनाव कैसे करें? यह सिद्धांत कुछ हद तक हमें अपने संविधान से प्राप्त हुए हैं और कुछ हद तक हमने इतिहास के सबसे प्रेरणादायक पृष्ठों, व्यक्तित्वों और स्वतंत्रता संग्राम के संघर्षों से ये सिद्धांत प्राप्त किए हैं। एक बहुत महत्त्वपूर्ण सिद्धांत यह है कि हमें अपने देश और समाज में सभी से समान व्यवहार, सम्मान का व्यवहार करना है तथा धर्म, जाति, रंग, नस्ल, क्षेत्रीयता, लिंग आदि के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करना है। हमारे सभी धर्म, सभी जातियां, सभी क्षेत्र और प्रांत एक ही बगीचे के बहुत सुंदर फूल हैं और उन सभी का हमें एक जैसा ख्याल रखना है। किसी से भी न तो अन्याय होना चाहिए और न ही भेदभाव। बात सिर्फ कहने की नहीं है और सिर्फ कानून की नहीं है, हमारी असली सफलता यह होगी कि सभी लोग वास्तव में गहराई से यह अहसास करें कि उनके साथ कोई भेदभाव या अन्याय नहीं है।

हां, इतना जरूर है कि यदि किसी समुदाय से इतिहास के पृष्ठों में अन्याय हुआ है तो, उसे सामाजिक-बराबरी तक पहुंच पाने के अवसर तब तक देने चाहिए जब तक यह समानता प्राप्त नहीं हो जाती है और पूर्ण समाज की गरिमा इसी में है कि इस समानता की स्थिति तक सबकी सहमति से पहुंचा जाए। जिस समाज में सभी को समान अवसर मिलेंगे उसी समाज की प्रतिभाएं सबसे अधिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगी। इसी तरह जिस समाज में महिलाओं को प्रगति के समान और भरपूर अवसर मिलेंगे, वह समाज भी प्रगति में आगे रहेगा।

इस समानता को आगे बढ़ाते हुए एक विशेष ध्यान यह रखना होगा कि धर्म, जाति, क्षेत्रीयता, लिंग आदि के आधार पर किसी के विरुद्ध कोई भी हिंसा न हो। सांप्रदायिक, जातिगत और महिला विरोधी हिंसा के लिए समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। सामाजिक समानता के साथ आर्थिक समानता को भी निरंतरता से आगे बढ़ाना चाहिए। सामाजिक और आर्थिक समानता एक दूसरे की पूरक हैं। हालांकि आर्थिक विषमताओं को हमें कई स्तरों पर कम करना हैङ्क पर एक बडक्षी बात यह है कि जो सबसे निर्धन हैं या सबसे कठिन स्थिति के लगभग 15 से 20 प्रतिशत लोग हैं, उनकी स्थिति को शीघ्र से शीघ्र और टिकाऊ तौर पर बेहतर करने के प्रयास पर अधिक ध्यान दिया जाए। दूसरी ओर शीर्ष पर जो सबसे धनी हैं, हमें उनकी समृद्धि से प्रसन्नता है पर किसी को भी अर्थव्यवस्था के किसी भी क्षेत्र पर एकाधिकार और अत्यधिक नियंत्रण की स्थिति पर नहीं आना चाहिए।

मध्यम स्तर के व्यवसायों और छोटे व्यवसायों को प्रगति के बेहतर अवसर मिलने चाहिए। देश और दुनिया की बढक्षती जरूरत है कि पर्यावरण की रक्षा के लिए हम निरंतरता से प्रयासरत रहें और इसे अधिक प्राथमिकता प्रदान करें। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हमारी एकता और मिल कर कार्य करने की क्षमता हमें बहुत रचनात्मक और खूबसूरत उपलब्धियों की ओर ले जा सकती है। लोकतंत्र और लोकतांत्रिक सोच के लिए गहरी प्रतिबद्धता बहुत जरूरी है। समय पर चुनाव करवाने और लोकतांत्रिक ढांचा खड़ा कर लेने मात्र से ही कोई देश या समाज सही अर्थों में लोकतांत्रिक नहीं हो जाता है, अपितु लोकतांत्रिक सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्धता तो कई स्तरों पर निरंतरता से मजबूत करने की जरूरत है और लोकतांत्रिक भावना को सही अर्थों में अपनाने की जरूरत ऊपरी तंत्र से गांव-गांव तक हर जगह है। लोकतंत्र की मजबूती से ही विश्वास जन-जन में उत्पन्न होता है कि हर तरह की समस्याओं का समाधान अमन-शांति की राह पर संभव है और इस आधार पर ही अमन-शांति के लिए प्रतिबद्धता हर स्तर पर मजबूत होती है जो हिंसा से त्रस्त दुनिया में एक बडक्षी उपलब्धि है। लोकतांत्रिक भावना का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि अनेक उपलब्धियों के बावजूद हमारे समाज में और तंत्र में जो भी कमियां रह जाएं या कभी कोई गलती हो जाए तो उस पर खुले माहौल में चर्चा करने और इस आधार पर शीघ्र ही भूल-सुधार की बेहतर संभावनाएं समाज में और तंत्र में बनी रहें। समाज में समरसता व सहयोग आगे बढक्षना चाहिए और एक-दूसरे के साथ प्रेरणादायक माहौल में उपलब्धियां प्राप्त करने का माहौल गांव और मोहल्ले के स्तर पर बने रहना चाहिए।

सभी तरह के नशे के दूर करने के लिए भी समाज में निरंतरता से प्रयास होने चाहिए। इन सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्धता यदि समाज और देश में बनेगी तो निश्चय ही हम अच्छी प्रगति कर सकेंगे और विश्व की निगाहें हमारी प्रगति पर और हमसे सीखने पर होंगी। यह सिद्धांत जहां हमें अपने संविधान से भी प्राप्त होते हैं और हमारे इतिहास के सबसे बड़े प्रेरणादायक व्यक्तियों के संदेश भी इसी दिशा में रहे हैं। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बास, शहीद भगत सिंह-ये आजादी की लड़ाई के ऐसे महान नेता थे जिनके कुछ मतभेद हो सकते हैं पर इन सभी सिद्धांतों को इन सभी ने बहुत महत्त्व दिया।

अब सबसे बड़े समाज-सुधारकों की बात करें तो बाबा अंबेडकर, ज्योतिबा और सावित्री फुले ने भी इनको महत्त्व दिया। इतिहास के पृष्ठों में कुछ पीछे जाएं तो संत कबीर, गुरु नानक, गरीब नवाज ने भी ऐसी राह दिखाई। अतः देश में जो भी लोग इन महान व्यक्तित्वों को सही अर्थों में बहुत सम्मान देते हैं, वे भी इनके इस संदेश से सीखते हैं और इन सिद्धांतों को अपनाते हैं। इसके बावजूद इन सिद्धांतों को सही तरह से मिला कर एक भली-भांति समग्रीकृत राह निकालने का जो कार्य है, उसमें कई बार कठिनाई आ जाती है। अतः जरूरी है कि मौजूदा स्थितियों के संदर्भों को ध्यान में रखते हुए ऐसी सोचा-सुलझी समग्रीकृत राह पर ऐसी प्रगति करे जो टिकाऊ और विश्वसनीय हो।

सेवा सुशासन गरीब कल्याण के 11 साल बेमिसाल ओमप्रकाश गोला प्रजापति

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- रविवार को भारत सरकार देश के ऊजार्वान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा सुशासन गरीब कल्याण के 11 साल बेमिसाल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक सभागार गजरौला में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ओमप्रकाश गोला प्रजापति ने पदाधिकारी एवं कार्यकताओं से कहा गरीबों की सेवा वंचितों का सम्मान किसानों का कल्याण सुनिश्चित नारी शक्ति के लिए नई गति मध्यम वर्ग का जीवन आसान सस्ती सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं भारत की अमृत पीढ़ी हो रही सशक्त राष्ट्रीय प्रथम राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति व्यापार सुगमता भारत एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बन रहा है इंफ्रास्ट्रक्चर प्रगति पद सुनिश्चित हो भारत का टेक्नोलॉजी युग का शुभारंभ हो विरासत और विकास नॉर्थ ईस्ट प्रगति की नई दिशा में उन्नति हो पर्यावरण एवं सतत विकास भारत के लिए प्रथम प्राथमिकता है। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के सपनों का भारत आज रूपांतरित हो रहा है एक भारत श्रेष्ठ भारत का सपना साकार हो रहा है आज देश प्रगति के पद पर अग्रसर हो दुनिया का नेतृत्व करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश के ऊजार्वान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून का राज स्थापित कर उत्तर प्रदेश की उन्नति में नया इतिहास बनाया है। गुंडा माफिया धराशाई कर नारी शक्ति को सुरक्षा प्रदान की व्यापारियों का हित प्रथम कर सशक्त सुशासन प्रदान किया है गुंडा माफियाओं से जाने जाना वाला उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन रहा है। इस अवसर पर ओमप्रकाश गोला प्रजापति राकेश बंसल उर्फ कालू ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी देवी अनुसूचित मोर्चा जिला अध्यक्ष राम रतन सिंह जाटव, पिंटू भाटी,डॉक्टर उत्तम सिंह प्रजापति निवर्तमान मंडल अध्यक्ष,सुनिल गुप्ता,डॉ आशुतोष भूषण शर्मा,अंजू जाटव, पूर्व सभासद चौधरी तेजपाल सिंह अंकुर नागर,उधम सिंह,मां. राजेंद्र सिंह महिपाल चौहान दिनेश अग्रवाल सतपाल सिंह पाल हरेंद्र चौधरी सौरभ जैन नन्हे उपाध्याय सपना प्रजापति भगवती प्रजापति जसवंत चौहान धर्मेंद्र प्रजापति डॉ करन प्रजापति जोगेंद्र सिंह, ओमकार सैनी प्रधान सोनू कश्यप सुरेश प्रजापति समरपाल सिंह विजयपाल हवाई आदि उपस्थित रहे।

अमरोहा ज़िले में 21 जून 2025 तक मनाया जाएगा योग सप्ताह

अमरोहा (सब का सपना):- अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 एवं योग सप्ताह 21 जून 2025 तक मनाएगा जायगा। दिनांक 16.06.2025 को प्रातः 6:00 बजे से 8:00 बजे तक जनपद के विभिन्न स्थानों पर सामूहिक योगाभ्यास। 17.06.2025 को प्रातः 6:00 से 7:00 बजे तक विकास भवन से कलैक्ट्रेट आवास पार्क तक पैदल यात्रा एवं 7.30 बजे सामूहिक योगाभ्यास किया जायेगा।18.06.2025 को प्रातः 6:00 बजे से 8:00 बजे तक जनपद के विभिन्न स्थानों पर सामूहिक योगाभ्यास, प्रातः 8:00 बजे से 9:00 बजे तक महाविद्यालय एवं आयुष महाविद्यालय में पोस्टर/आशुभाषण / निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। 19.06.2025 प्रातः 6:00 से 7:00 बजे तक कलैक्ट्रेट से जे०एस० पी०जी० हिन्दू कालेज तक साइकिल यात्रा जिलाधिकारी महोदया, द्वारा हरी झण्डी दिखाकर शुभारम्भ किया जायेगा। प्रात 800 से सामूहिक योगाभ्यास किया जायेगा। 20.06.2025 प्रातः 8:00 बजे से अपरान्ह 2:00 बजे तक योग कार्यशाला- महाविद्यालयों एवं चिकित्सालयो में कुमारी, गर्भवती, प्रौढ, कामकाजी महिलाओं के लिए योग सत्र और 21.06.2025 प्रातः 7:00 बजे से 8:00 बजे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 का आयोजन एवं सामूहिक योगाभ्यास मिनी स्टेडियम, निकट गाँधी मूर्ति, अमरोहा में आयोजित किया जायेगा। जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग जनपद अमरोहा द्वारा म 11 वे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के योग सप्ताह उद्घाटन समारोह एवं हरित योग के अंतर्गत वृक्षारोपण के किया जायगा जिसमे मुख्य अतिथि कंवर सिंह तंवर, लोकसभा सासद अमरोहा और विशिष्ट अतिथि ललित तंवर (जिला पंचायत अध्यक्ष) अमरोहा, महेन्द्र सिंह खडगवंशी विधायक (हसनपुर विधानसभा), उदयगिरी गोस्वामी (जिलाध्यक्ष भाजपा अमरोहा), राजीव तरारा विधायक (धनौरा विधानसभा) और डॉ० हरि सिंह ढिल्लो (सदस्य विधान परिषद अमरोहा) सहित समस्त जनप्रतिनिधि जनपद अमरोहा होंगे।

भाकियू शंकर ने चलाया जनजागरण कार्यक्रम, किसान समस्याओं को लेकर बड़ी लड़ाई की तैयारी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- भारतीय किसान यूनियन (शंकर) ने शनिवार को किसान समस्याओं को लेकर जबदा चौराहे के ताजपुर गांव में जनजागरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर परम सिंह व इसका संचालन जिला प्रवक्ता नौबहार चौहान ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाकियू शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि जनपद के गांव चक्कालीलेट में सरकार के द्वारा कंटेनर डिपो का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। इस योजना में करीब 480 बीघा जमीन किसानों से ली जानी है ओर जिला प्रशासन के द्वारा इन जमीनों का मुआवजा मात्र ड्ट8 लाख रुपये प्रति बीघा दिए जाने की बात कही जा रही है जोकि बहुत ही कम है। जबकि बाजारी रेट 20 से 25 लख रुपए प्रति बीघा है। हमारा संगठन मांग करता है कि किसानों को कम से कम 20 लाख रुपये प्रति बीघा का मुआवजा व एक व्यक्ति को योग्यता के आधार पर नौकरी दिलाई जानी चाहिए। चीनी मिलें किसानों का एक अरब रुपया दबाए बैठी हैं तो वहीं दूसरी तरफ बैंकों में किसानों के केसीसी नवीनीकरण नहीं हो पा रहे हैं ओर ना ही उनकी लिमिट 5 लाख की जा रही है । नए केसीसी बनाने में भी 15 दिन का समय लग रहा है। तहसील अध्यक्ष जगत सिंह चौहान ने कहा कि 7 तारीख में कुतुबपुर हमीरपुर गांव के किसानों को कृषि कार्य करते हुए आदमखोर तेंदुए ने गम्भीर रूप से घायल कर दिया था, इसके बाद भी वन विभाग ने बेचारे पीड़ित किसानों पर ही मुकदमे लगाकर उन्हें जेल भेज दिया। प्रशासन ने वन विभाग को जिम्मेदार ठहराने के बजाए उल्टे किसानों पर ही कार्यवाही की है। इस तरह किसान अपनी खेती को कैसे कर पाएगा। विगत एक वर्ष से लगातार तेंदुए का आतंक बढ़ता जा रहा है और इसके हमले में कई लोगों की जान जा चुकी है। हमारा संगठन प्रशासन से मांग करता है कि किसानों पर लगाये गए सभी केस बिना शर्त वापिस लिए जाएं । 16 जून को उक्त समस्याओं को लेकर अमरोहा कलेक्ट्रेट एक बड़ा आंदोलन व धरना प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें वन विभाग के अधिकारी, कंटेनर डिपो के परियोजना अधिकारी, लीड बैंक अधिकारी अमरोहा, क्षेत्रीय मैनेजर उत्तर प्रदेश सहकारी बैंक अमरोहा, जिला गन्ना अधिकारी अमरोहा से वार्ता की जाएगी।

जनजागरण कार्यक्रम में चौधरी धर्मवीर सिंह, हरपाल सिंह, गजराम चौहान, सुनील चौहान, देवेंद्र सिंह ,डॉ राजपाल सिंह, धर्म सिंह ,लेखराज सिंह ,तारा सिंह, सुरेश सिंह, सोमपाल सिंह, मुनेश, राजेंद्र , उदय सिंह, चंद्र सिंह, राकेश सिंह ,शैलेश कुमारी, प्रियंका देवी, शशि कुमारी देवी, अशोक चौधरी, बबीता चौधरी, मंजू चौधरी, राकेश रतनपुर, चौधरी चंद्रभान सिंह, चौधरी रवि पाल सिंह, प्रधान संजय चौहान, कल्लू भगत जी, चौधरी नेमपाल सिंह जिला अध्यक्ष, राजवीर सिंह, बंटी देओल, सोनू कुमार , आफताब जी, मोनू चौधरी, सुंदर सिंह, राजवीर गुर्जर व अमरपाल सिंह समेत सैकड़ो ग्रामीण शामिल हुए ।

गजरौला हाईवे 9 पर तेज रफ्तार ट्रेक्टर और बाईक की आमने-सामने की टक्कर

टक्कर में बाईक सवार दो युवकों की मौके पर मौत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नेशनल हाईवे 9 पर उस वक्त अफरा तफरी मच गई जब एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर और बाइक की आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही दोनों बाइक सवार युवक के सड़क पर गिर गए,इस दौरान एक तेज रफ्तार कैंटर में दोनों युवकों को बुरी तरह से कुचल दिया और दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। बता दे कि पूरा मामला गजरौला नेशनल हाईवे 9 का है जहां रविवार की सुबह भानपुर ओवरब्रिज के निकट बाइक सवार दो युवकों की एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर से भीषण टक्कर हो गई ,टक्कर लगते ही दोनों बाइक सवार युवक सड़क पर गिर गए। जिनको एक तेज रफ्तार के कैंटर ने बुरी तरह से कुचल दिया और दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा होते ही मौके पर स्थानीय लोगों व राहगीरों की भीड़ का जमावड़ा लग गया।इस दौरान हाईवे पर घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। करीब 2 किलोमीटर तक हाइवे पर लंबा जाम लग गया। उधर सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई, जिसने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटना स्थल से कैंटर और ट्रैक्टर को जप्त कर लिया और पूरे मामले की जांच में जुट गई। फिलहाल पुलिस द्वारा मृत्यु को की शिनाख्त की जा रही है।

वृद्धाश्रम में विश्व वृद्ध दिवस पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक जागरूकता कार्यशाला आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- विश्व वृद्ध दिवस के अवसर पर आज वृद्धाश्रम, अमरोहा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राधिकरण की सचिव एवं माननीय जज ज्योति चौधरी के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों, संरक्षण अधिनियमों, सरकारी योजनाओं और विधिक सहायता सेवाओं की जानकारी देना था। कार्यक्रम की शुरूआत में माननीय जज ज्योति चौधरी ने उपस्थित वरिष्ठजनों को संबोधित करते हुए कहा कि ह्लवरिष्ठ नागरिकों की गरिमा, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा समाज की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है।ह्व उन्होंने वरिष्ठ नागरिक संरक्षण और कल्याण अधिनियम, 2007 सहित अन्य महत्वपूर्ण विधिक प्रावधानों की जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान लोकमान सिंह ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित सेवाओं और जन-जागरूकता अभियानों की विस्तृत जानकारी दी। महेश सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए बताया कि वरिष्ठजनों को उनके अधिकारों की जानकारी देकर उन्हें शोषण व उपेक्षा से बचाना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। विशेषज्ञ अधिवक्ताओं द्वारा संवाद सत्र केस स्टडी और समूह चर्चा, व्यक्तिगत कानूनी परामर्श एवं प्रश्नोत्तर सत्र, जानकारी पत्रक और बुकलेट का वितरण, निःशुल्क कानूनी सहायता शिविर, प्रथम सिंह ने जीवन जीने की कला और आत्म-सम्मान बनाए रखने के तरीकों पर मार्गदर्शन दिया, जिससे वरिष्ठ नागरिकों में आत्मबल का संचार हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे न्यायिक अधिकारी, पैरा विधिक स्वयंसेवक लोकमान सिंह, डॉ. प्रथम सिंह, सितीन कुमार, प्रीति, रीतिक चौधरी, वसीम, जयदेव कुमार, परवीन, राजेन्द्र, संधिया और महेश सिंह। साथ ही कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर कार्यशाला की गरिमा बढ़ाई। यह आयोजन न केवल वरिष्ठजनों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा, बल्कि उनके आत्म-सम्मान और जीवन की गरिमा को बनाए रखने में भी मील का पत्थर सिद्ध हुआ।

अमरोहा जिला चिकित्सालय में स्टाफ नर्स रेनू की मरीजों के प्रति समर्पण भावना

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिला चिकित्सालय में कार्यरत स्टाफ नर्स रेनू अपनी निस्वार्थ सेवा और मरीजों के प्रति समर्पण के लिए चर्चा में हैं। उनकी कार्यशैली और मरीजों की देखभाल में तत्परता ने न केवल अस्पताल प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है, बल्कि मरीजों और उनके परिजनों के बीच भी उनकी प्रशंसा हो रही है। रेनू की मेहनत और मानवीय दृष्टिकोण ने उन्हें अस्पताल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना दिया है। जिला चिकित्सालय, जो अमरोहा और आसपास के क्षेत्रों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र है, वहां मरीजों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। विशेष रूप से गर्मियों के मौसम में डायरिया, बुखार और अन्य मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। ऐसे में स्टाफ नर्स रेनू ने अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया है। वह न केवल अपनी ड्यूटी के घंटों में, बल्कि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त समय तक मरीजों की सेवा में तत्पर रहती हैं। रेनू की दिनचर्या सुबह जल्दी शुरू होती है। वह अस्पताल पहुंचते ही मरीजों के वार्ड का दौरा करती हैं। उनकी स्थिति की जांच करती हैं और डॉक्टरों के निदेर्शों के अनुसार उपचार प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करती हैं। मरीजों के परिजनों का कहना है कि रेनू न केवल दवाइयों और इंजेक्शनों का ध्यान रखती हैं, बल्कि मरीजों के साथ मानवीय संवेदना के साथ व्यवहार करती हैं। उनकी मुस्कान और सकारात्मक रवैया मरीजों को मानसिक रूप से भी राहत प्रदान करता है। रेनू का कहना है, "मेरे लिए नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है। मरीजों की मुस्कान और उनके स्वस्थ होने की खुशी मेरे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है।" उनकी यह भावना न केवल उनके पेशे के प्रति उनके जुनून को दर्शाती है, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणा भी है। अमरोहा के स्थानीय निवासियों का मानना है कि रेनू जैसी नर्सें स्वास्थ्य सेवाओं में विश्वास को मजबूत करती हैं। उनकी कहानी यह साबित करती है कि समर्पण और मेहनत से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है।

खेत में हल चला रहे किसान के ऊपर आकाशीय बिजली गिरने से मौत

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र नूरपुर के गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास में काम कर रहे अन्य किसानों ने जब यह देखा तो अफरा तफरी मच गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दें कि पूरा मामला जनपद के नूरपुर थाना क्षेत्र के गांव नंगली जाजू का है जहां गांव निवासी किसान रामानंद पुत्र बलदेव सिंह गांव के जंगलों में अपने खेत पर हल चला रहा था। रविवार की सुबह से ही मौसम खराब था हल्की-हल्की बारिश भी हो रही थी,तभी अचानक आकाशीय बिजली कड़की और किसान के ऊपर गिर गई।जिससे किसान की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी अनुसार बताया गया कि गांव निवासी एक महिला भी उसके आसपास ही खेत में काम कर रही थी जिसकी सूचना उसने आसपास खेतों में काम रहे लोगों को दी।जिसको सुनकर वह सब भी घटना स्थल की तरफ दौड़ पड़े। देखते ही देखते मौके पर गांव वालों की भीड़ लग गई।घटना की सूचना पुलिस को दी।जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जेबीएफ की स्वास्थ्य सेवाओं से जनपदवासी हो रहे लाभांवित: डीएम

गजरौला में मेडिकल सेंटर पर डीएम एवं एसपी ने किया टीबी की जांच करने वाली अत्याधुनिक मशीन और मोबाइल डेंटल वैन का शुभारंभ

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन की स्वास्थ्य सेवाओं से जनपदवासी काफी लाभांवित हो रहे हैं। टीबी की रोकथाम के लिए आईजीआरएस सिस्टम के बाद अब इसकी जांच के लिए मंगवाई गई मशीन काफी उपयोगी साबित होगी। उन्होंने इसके लिए जुबिलेंट प्रबंधन की प्रशंसा भी की। बता दें कि रविवार को मोहल्ला नाईपुरा में सादुल्लापुर मार्ग पर स्थित जेबीएफ के मेडिकल सेंटर पर डीएम निधि गुप्ता वत्स ने एसपी अमित कुमार आनंद, सीएमओ डा.एसपी सिंह, जुबिलेंट के यूनिट हेड विनोद झा एवं निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित के संग संयुक्त रूप से टीबी की जांच करने वाली अत्याधुनिक मशीन और मोबाइल डेंटल वैन का शुभारंभ किया। जेबीएफ के मेडिकल हेड डा. सुजिंदर फोगाट ने उन्हें मेडिकल सेंटर का भ्रमण कराकर यहां उपलब्ध चिकित्सीय सेवाओं के संबंध में बिंदुवार जानकारी दी। बताया कि गजरौला ही नहीं आसपास के क्षेत्र के लोग भी यहां मात्र दस रुपये में अधिकांश विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं ले रहे हैं। डीएम एवं एसपी ने यहां टीबी की जांच के लिए 15 लाख रुपये खर्च कर लगाई गई ट्रूनाट मशीन के संबंध में भी जानकारी ली। सीएमओ डा.एसपी सिंह ने कहा कि इस मशीन से टीबी रोगियों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि संभल और बिजनौर जनपद के टीबी रोगी भी जुबिलेंट की इस मशीन का लाभ उठा सकेंगे। डा. फोगाट ने बताया कि जेबीएफ का दंत चिकित्सा वाहन ग्रामीण अंचलों के रोगियों को काफी सुविधाजनक होगा। इस मोबाइल वैन में भी अत्याधुनिक मशीने लगी हुई हैं। इस मौके पर जिला क्षय रोग अधिकारी डा,विशाल त्रिवेदी, एएसपी अखिलेश भदौरिया, सीओ मंडी धनौरा श्वेताभ भास्कर, डा. नितिन राय, डा. श्वेता गुप्ता, जुबिलेंट में एचआर हेड मनोज शर्मा, सुमित गर्ग, गजरौला इंस्पेक्टर अखिलेश प्रधान आदि मौजूद रहे।

माँ कैला देवी धाम परिसर में जिलाधिकारी एवं महंत ऋषिराज गिरि जी महाराज द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया योग सप्ताह का शुभारम्भ

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):-21 जून 2025 को 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के लिए सामूहिक योगाभ्यास हेतु आज योग सप्ताह (15 जून से 21 जून 2025) का शुभारंभ विकासखण्ड पवांसा के मां कैलादेवी धाम परिसर में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं माँ कैला देवी धाम के महंत ऋषिराज गिरि जी महाराज द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। योगाभ्यास हेतु योग प्रशिक्षकों रुपाली वागदरे एवं अमर नाथ द्वारा लोगों को योगाभ्यास कराया गया। प्रशिक्षकों द्वारा प्राणायाम, सुखासन, पदमासन, अनुलोम विलोम,अर्ध चक्रासन, वज्रासन, अश्व संचालनासन, धनुरासन, गोमुखासन आदि आसन कराए गये।जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि जनपद में आज से योग सप्ताह का शुभारंभ हो चुका है योग सप्ताह के बहुत से कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जनपद, तहसील, ब्लॉक तथा ग्राम पंचायत स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। पिंक योग, दिव्यांग योग, स्वच्छता योग, गौ योग आदि का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि भारत का मनोविज्ञान योग है। योग वही जो कर्म में कुशलता लाए।इसके उपरांत जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट एवं अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा,तथा महंत ऋषि राज गिरि महाराज एवं पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री गुन्नौर अजीत कुमार राजू तथा भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू एवं पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की स्मृति में सिंदूर का पौधा लगाया गया। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी सहित अतिथिगणों द्वारा माँ कैला देवी के दर्शन किये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक उपजिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, डीपीआरओ उपेन्द्र कुमार पाण्डेय, डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार जिला विद्यालय निरीक्षक श्यामा कुमार ,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा और खण्ड विकास अधिकारी पवांसा ओंकार सिंह, जिला होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी डॉ अंजू सिंगला, नोडल अधिकारी आयुर्वेद डॉ अभय शर्मा, एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमरोहा के नगर पालिका परिषद टाउन हॉल में योगाभ्यास सत्र का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- 11वें अंतराष्ट्रीय योग सप्ताह (15 से 21 जून 2025) के आज आरम्भ सत्र पर नगर पालिका परिषद अमरोहा के टाउन हॉल मे एक विशाल योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। जिसमे अध्यक्ष शशि जैन डॉ. बृजेश कुमार उप नगर आयुक्त / अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अमरोहा की मुख्य उपस्थिति मे पालिका के समस्त अधिकारीयों, कर्मचारियों द्वारा योगाभ्यास किया गया। योगाभ्यास आयुष विभाग से आई निर्देशिकाओं द्वारा कराया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता अजय चौहान सहित बड़ी संख्या मे आमजन उपस्थित रहे। पालिकाध्यक्ष शशि जैन द्वारा अपने सम्बोधन मे योग के लाभ पर जानकारी देते इसे दैनिक जीवन मे महत्त्व समझाते हुए इसे अपने जीवन मे आत्मसात किये जाने का आह्वान किया गया। पालिका के अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया की इस वर्ष 11 वे अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 1 से 21 जून 2025 तक योग सप्ताह सम्पूर्ण देश मे पूरे उल्लास व भव्य रूप से मनाया जायेगा। योग को प्रत्येक आमजन के दैनिक जीवन से जोड़ने एवं उसे आत्मसात करके योग के लाभ लिए जाने हेतु व्यापक स्तर पर योग सत्र का आयोजन किया जा रहा हैं। इसी क्रम मे नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा आज पालिका टाउन हॉल मे योग सत्र का आयोजन किया गया, पालिका स्तर से अंतराष्ट्रीय योग सप्ताह का प्रचार प्रसार विभिन्न माध्यमो से कराया जा रहा हैं, आज के कार्यक्रम मे बड़ी संख्या मे आमजन के प्रतिभाग से स्पष्ट हैं की आमजन भारत की प्राचीन योग पद्धति को अपने जीवन मे आत्मसात कर उसके लाभ लेना चाहता हैं। अधिशासी अधिकारी महोदय द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग से अपील की गयी की अंतराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य आयोजन 21 जून को नगर के मिनी स्टेडियम मे जनपद स्तरीय मुख्य आयोजन मे अधिक से अधिक संख्या मे प्रतिभाग करें एवं

11 साल सफल पूर्ण होने के उपलक्ष में बबराला में भाजपा ने किया आयोजन

बबराला/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में "सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण एवं अन्त्योदय को समर्पित केंद्र की भाजपा सरकार "के सफलतम 11 ग्यारह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बबराला मंडल अग्रवाल धर्मशाला बबराला में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉक्टर अनामिका यादव एवं पूर्व विधायक पूर्व मंत्री अजीत कुमार राजू यादव रहे। इस दौरान जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा शिखर गोयल, कार्यक्रम संयोजक एवं नगर पंचायत अध्यक्ष हर्षवर्धन वार्ष्णेय एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष योगेंद्र यादव एवं कार्यक्रम

का संचालन में पूर्व मंडल अध्यक्ष रेलवे सलाहकार सदस्य विनय कुमार वार्ष्णेय एडवोकेट ने किया। जिसमें उमेश यादव दिनेश, कौशल, मोरपाल यादव, आनंद कुमार मासी, सावरेन जाटव, राजीव महेश्वरी, प्रशांत, रोहित उपाध्याय, आकाश, मदनलाल शर्मा, मोनू ठाकुर बीबी गुप्ता, नितिन आइडिया, अरुण यादव एवं दर्जनों कार्यकताओं ने माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के सफलतम 11 साल पूरे होने पर अनेक योजना के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा अहमदाबाद में प्लेन क्रैश होने पर आत्मा शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण किया गया।

अर्पित ने की एनईईटी परीक्षा उत्तीर्ण

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- अर्पित पाठक पुत्र डॉक्टर एके पाठक माता श्रीमती अर्चना पाठक ने एनईईटी 2025 परीक्षा उत्तीर्ण की है। एनईईटी 2025 का रिजल्ट जैसे ही निकला वैसे ही अर्पित के मन में खुशी से फूले न समाएं। जिसमें चंदौसी के अर्पित पाठक जो कि चंदौसी ग्रीन्स कॉलोनी में रहते हैं उन्होंने अच्छे अंकों के साथ कुल 563 अंक हासिल कर ऑल इंडिया रैंक 6713 हासिल की इस वर्ष ठएएळ की परीक्षा में पूरे देश में 22 लाख बच्चों ने प्रतिभा किया था। अर्पित पाठक से बात करने पर उन्होंने बताया कि बहुत ही परिश्रम और लगन और तपस्या के बाद उन्होंने इस इस उपलब्धि को हासिल किया। अर्पित पाठक ने अपनी 10वीं

की परीक्षा यही चंदौसी के सेक्रेड हार्ट स्कूल से उत्तीर्ण करने के बाद अपनी 12वीं की पढ़ाई दिल्ली से की थी वहां पर भी उन्होंने अपने स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। अर्पित ने बताया कि इस बार NEET की परीक्षा बहुत ही कठिन आई थी। जिसमें जिन बच्चों ने अपना संतुलन बनाकर पेपर के दौरान धैर्य के साथ परीक्षा दी उन्होंने इस बार सफलता प्राप्त करी।

रक्त दान दिवस के अवसर पर डीएम और एसपी ने किया रक्तदान...

संभल(सब का सपना):- विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर जिला संयुक्त चिकित्सालय, सम्भल में डॉ0 राजेन्द्र पैंसिया, जिलाधिकारी सम्भल व कृष्ण कुमार, पुलिस अधीक्षक सम्भल द्वारा स्वैछिक रक्तदान किया गया तथा जिला अस्पताल सम्भल में आयोजित रक्तदान शिविर में स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा रक्तदान करने हेतु सभी को प्रेरित किया गया। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक एस्कोर्ट में नियुक्त पुलिसकर्मियों द्वारा भी स्वेचछा से रक्तदान किया गया ।

विश्व रक्तदान दिवस पर पार्थ हॉस्पिटल में आयोजित किया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

चन्दौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- सहजपार्थ समाज सेवा समिति (रजि.) के तत्वाधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन सीता आश्रम स्थित पार्थ हॉस्पिटल के पार्थ ब्लड सेंटर में हुआ। 20 रक्तवीरों ने रक्तदान के लिए अग्रिम रजिस्ट्रेशन कराए। सहजपार्थ समाज सेवा समिति प्रबन्धक एवम पार्थ हॉस्पिटल के चैयरमेन डॉ वीरेश ने बताया रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं के स्वास्थ्य की जांच निःशुल्क गई। जिसमें रक्तचाप, शुगर, हीमोग्लोबिन

हेपेटाइटिस आदि। साथ ही रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र एवम प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। समिति अध्यक्ष डॉ टीएस पाल ने कहा रक्तदान एक जीवन रक्षक प्रक्रिया है,जो गंभीर चोटों, सर्जरी, और विभिन्न बीमारियों से जूझ रहे लोगों की जान बचाने में मदद करती है। नियमित रक्तदान आयरन के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है, जो दिल के दौरे और स्ट्रोक के खतरे को कम कर सकता है। रक्तदान करने से तनाव और चिंता के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। शिविर में डॉ आरके वार्ष्णेय, सतीश सिंह, हरिओम शर्मा, रविन्द्र शर्मा, वरिष्ठ प्रताप सिंह, श्याम सुंदर, शिवानी यादव, पंकज वार्ष्णेय, आदि का सहयोग रहा।

पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार बिश्नोई द्वारा की गई ब्रीफिंग...

बहजोई/संभल(सब का सपना):- आरक्षी भर्ती-2023 के अंतर्गत जनपद सम्भल से चयनित 448 अभ्यर्थियों को 15 जून को लखनऊ में नियुक्ति पत्र प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में लखनऊ रवाना किये जाने से पूर्व डी.आर रिसोर्ट, बहजोई में पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार द्वारा ब्रीफिंग कर चयनित अभ्यर्थियों एवं ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों एवं बस चालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर रवाना किया गया । आरक्षी नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती-2023 के अंतर्गत जनपद सम्भल से चयनित कुल 448 अभ्यर्थियों (379 पुरुष, 69 महिलाएं) को 15 जून को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मा0 गृह मंत्री, भारत

सरकार एवं मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किये जायेंगे। इस आयोजन को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु आज 14 जून को डी.आर रिसोर्ट में चयनित अभ्यर्थियों को लखनऊ रवाना करने से पूर्व पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार द्वारा ब्रीफिंग की गई। ब्रीफिंग में चयनित अभ्यर्थियों, उनके परिवहन हेतु निर्धारित बस चालकों, ड्यूटी पर नामित पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों एवं अन्य सहयोगी स्टाफ को यात्रा व्यवस्था, सुरक्षा, अनुशासन तथा समयबद्ध संचालन से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को उनकी सफलता पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह अवसर उनके जीवन में एक नए दायित्व और कर्तव्यबोध की शुरूआत है। उन्होंने सभी से अपेक्षा की कि वे पुलिस सेवा में ईमानदारी, निष्ठा एवं सेवा भाव के साथ कार्य करेंगे तथा उत्तर प्रदेश पुलिस की गरिमा को और ऊँचाइयों तक पहुँचाएंगे। ब्रीफिंग के उपरांत पुलिस अधीक्षक सम्भल द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को लेकर लखनऊ जा रही 11 बसों को रवाना किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सम्भल अनुकृति शर्मा, क्षेत्राधिकारी सम्भल/लाइन आलोक कुमार, क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ0 प्रदीप कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक मनोज कुमार सिंह, प्रतिसार निरीक्षक तथा नियुक्ति प्रक्रिया में सहयोगी स्टाफ उपस्थित रहा।

वैश्य एकता मंच ने किया श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- शुक्रवार को स्टेशन रोड, भगत सिंह की मूर्ति, चंदौसी पर वैश्य एकता मंच द्वारा एक भावभीनी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह सभा 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की उड़ान संख्या अका171 के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने पर, उसमें दिवंगत हुए यात्रियों की स्मृति में आयोजित की गई। इस भीषण विमान हादसे में कुल 242 यात्री एवं चालक दल के सदस्य सवार थे जिनमें से 241 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई और भवन पर गिरने से जमीन पर मौजूद 28 से अधिक लोग भी मारे गए। यह दुर्घटना भारत ही नहीं, पूरे विश्व के लिए अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक घटना रही।

विमान ने जैसे ही अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरी और लगभग 30 सेकंड बाद तकनीकी खराबी के चलते वह मेघानीनगर क्षेत्र में स्थित बी.जे. मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर्स हॉस्टल पर जा गिरा। जिससे भवन भी पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। यह एयर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान था और इस हादसे को ड्रीमलाइनर इतिहास की पहली घातक दुर्घटना के रूप में दर्ज किया गया है। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों एवं नागरिकों ने दो मिनट का

मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु प्रार्थना की। वक्ताओं ने इस दुर्घटना को राष्ट्र के लिए गहरा आघात बताया और कहा कि हम सभी को इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा रहना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि विमानन क्षेत्र में सुरक्षा मानकों की तत्काल समीक्षा की जाए ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियाँ दोबारा न हों। इस श्रद्धांजलि सभा में वैश्य एकता मंच के वरिष्ठ पदाधिकारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इनमें मंच के अध्यक्ष लवित वार्ष्णेय, महामंत्री आकाश वार्ष्णेय एवं तुषार क्रिस्टल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ब्रजेश चंद्र वार्ष्णेय एवं हेमंत वार्ष्णेय, उपाध्यक्ष दीपेश वार्ष्णेय एवं मयंक वार्ष्णेय, खिलाडी वार्ष्णेय, पराग वार्ष्णेय, इशांक गोयल, सचिन वार्ष्णेय, मोहित बंसल विशेष रूप से सम्मिलित रहे। सभी पदाधिकारियों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह समय केवल शोक का नहीं, बल्कि एकजुट होकर पीड़ितों के साथ खड़े होने और जन-जागरूकता फैलाने का है। कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं मंच के अन्य सक्रिय कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। सभा का समापन सभी ने एक स्वर में शांति पाठ और प्रार्थना के साथ किया।

भाजपा ने 11 वर्ष पूर्ण होने पर प्रबुद्ध सम्मेलन का किया आयोजन

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- सुभाष रोड स्थित भाजपा नगर अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल के नगर कार्यालय पर विकसित भारत का अमृतकाल, मा.प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण को समर्पित 11 वर्ष पूर्ण होने पर प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष भीष्म शर्मा और लोक सभा संयोजक पंकज गुप्ता रहे। भीष्म शर्मा ने प्रबुद्ध वर्ग से सीधे संवाद स्थापित करते हुए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। इसके साथ ही विकास और राष्ट्रवाद को पार्टी की प्राथमिकता बताया है और कहा कि कांग्रेस और सपा सरकारों में केवल गरीबों का शोषण हुआ है। जबकि बीजेपी की सरकार में गरीब को खुशहाल जीवन बिताने के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक धर्म श्रेष्ठ धर्म का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने भारत की एकता और अखंडता का पूरी दुनिया के अंदर डंका बजाया और पूरी दुनिया में तिरंगे को लहराया है। देश में सबका साथ, सबका विकास की मानसिकता पर कार्य कर रहे हैं। वहीं विपक्षी पाटीयों के पास कोई मुद्दा नहीं है इसलिए वह अनर्गल बातें करते हैं. इसीलिए जनता बार-बार मोदी का समर्थन करती है और भारतीय जनता पार्टी के साथ चलती है. पंकज गुप्ता ने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी, तब हम लोग आंदोलन करते थे. इस समय वंदे मातरम नहीं गा सकते थे, चंदन नहीं लगा सकते थे। हम लोग जयकारे नहीं लगा सकते थे और अब वंदे मातरम भारत में ही नहीं विदेशों में भी गाया जा रहा है, यह गर्व की बात है. अब श्रेष्ठ भारत का निर्माण हो रहा है.' उनका कहना है कि बैंक में गरीब लोगों के निशुल्क खाते खोले गए, जिसके लिए प्रधानमंत्री जनधन योजना चलाई जा रही है. जो गरीबों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही है. बैंकों में खाता खोलने से गरीबों को सीधे खातों में योजनाओं का अनुदान भेजा जा रहा है, इससे बिचौलियों का काम खत्म हो गया है.बीजेपी को विकास और राष्ट्रवाद को प्राथमिकता बताया है आज उत्तर प्रदेश की महिलाएं, नौजवान, व्यापारी भारतीय जनता पार्टी के साथ हैं. सभी दल भारतीय जनता पार्टी के लोकप्रिय नेता सीएम योगी और पीएम मोदी के कार्य को देखकर बौखला गए हैं.' उन्होंने कहा कि कि बीजेपी की सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास नारे की वजह से उत्तर प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी के साथ है.। इसका प्रमाण भी उत्तर प्रदेश की जनता ने कई बार दिया है। अंकुर अग्रवाल ने सभी प्रबुद्ध जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज देश की बागडोर सुरक्षित हाथों में है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश मे विकास कार्यो को बहुत सुनयोजित तरीके से किया है जिसमे आयुष्मान योजना हो,स्वक्छ भारत मिशन,पीएम मुद्रा योजना,अटल पेंशन योजना,मेक इन इंडिया,स्मार्ट सिटी योजना आदि है। आज के कार्यक्रम में विनोद कुमार बिन्नी, चन्द्रपाल सिंह, सुधीर मल्होत्रा, तरुण नीरज, अभिनव शर्मा, डॉ टी एस पाल, आमोद कुमार, अरविंद गुप्ता, राजश्री अग्रवाल, देवेंद्र गुप्ता, एडवोकेट राजेन्द्र सिंह, शीनू गुप्ता, आकाश आहूजा, शरद शर्मा, रोहित दिवाकर, अंकुल देव, आकाश शर्मा, यश ढींगरा, जय शंकर दुबे, श्याम सुंदर दुबे, उमेश चंद दिवाकर, महावीर सिंह, संजीव शर्मा, मनीष वार्ष्णेय, विक्की रस्तोगी, अभिषेक शर्मा, राजेश पाल, मुकेश जाटव, ओम शर्मा, विकास तोमर, लव कुमार, मोक्षिका शर्मा, रेखा सैनी, शीला सागर, कुमुद अग्रवाल, प्रीति शर्मा, आशा गोस्वामी, नवकान्त देव, गोविंद सिंह, मंतेश वार्ष्णेय, रतन कुमार, यश मदान, सौरभ शर्मा, किशन प्रजापति, विक्की कश्यप, नकुल कुमार वार्ष्णेय, संजय सैनी, कैलाश चंद चटवाल आदि उपस्थित रहे।

मानव के शारीरिक और मानसिक विकास मन की शांति एकाग्रता तनाव चिन्ता से मुक्ति जैसे लाभों के लिए प्रतिदिन समय निकालकर करें योग - जिलाधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- 15 जून से 21 जून से तक चलने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह व 21 जून को 11 वें अंतरष्ट्रीय योग दिवस का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक धनौरा राजीव तरारा जी व जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की उपस्थिति में गंगा घाट तिगरी से योग की सभी क्रियाओं में योगाभ्यास और हरित योग के अंतर्गत वृक्षारोपण कर किया गया । इस अवसर पर माननीय विधायक राजीव तरारा, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व बृजेश त्रिपाठी अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप द्वारा तथा बड़ी संख्या में उपस्थित अधिकारियों ग्राम

प्रधानों द्वारा योग की सभी क्रियाओं में योगाभ्यास किया गया । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। योग की सभी क्रियाओं में योगाभ्यास के पश्चात तिगरी परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय विधायक धनौरा राजीव तरारा ने कहा कि योग मानव जीवन के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है सरकार ने हर वर्ष बड़े ही धूमधाम से योग योग को करने के निर्देश देती है । यह बहुत ही गर्व की बात है जनपद के सभी ग्राम पंचायत के प्रधान गण एक उपयुक्त स्थल चयन कर प्रतिदिन योग की सभी विधाओं में योग कराएं और स्वयं भी करें और योग करने के पश्चात अंत में वृक्षारोपण भी करें। कहा नियमित योगाभ्यास मानसिक शांत पैदा करता है पुराने तनाव से राहत देता है मन को शांत करता है ध्यान केंद्रित करता है और एकाग्रता को बढ़ाता है । जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि मानव जीवन के उत्तम स्वास्थ्य और शारीरिक विकास के लिए योग बहुत ही महत्वपूर्ण है प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन काल में समय निकालकर प्रतिदिन योग अवश्य करना चाहिए । कहा योग तनाव चिंता अवसाद को कम करने में मदद करता है साथ ही मानसिक स्पष्टता एकाग्रता और आत्म जागरूकता को भी बढ़ता है । योग संतुलन लचीलापन और मां की शांत को बढ़ावा देता है तनाव कम करने से लेकर हृदय स्वास्थ्य में सुधार तक कर सकता है । योग का अभ्यास नितीश भारद्वाज के द्वारा योग की सभी विधाओं में कराया गया । इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी जिला पंचायत राज अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान व संबंधित कर्मचारी गण भारतीय जनता पार्टी से जुड़े प्रतिनिधि व पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बारिश में ढाबे पर गिरा पेड़, करंट लगने से दो युवकों की मौत

दक्षिणी दिल्ली। तड़के आए आंधी-तूफान में आरके पुरम सेक्टर-1 स्थित विवेकानंद मार्ग पर भारी बारिश के कारण एक पेड़ ढाबे पर गिर गया है। इस दौरान बिजली का तार टूटने के कारण ढाबे में करंट आने से ढाबे के दो कर्मचारियों की करंट लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार विवेकानंद मार्ग पर एमसीडी के खोखे में सुनील ढाबा चलाते हैं, ने बताया कि उनके दो कर्मचारी रविंद्र (30) और भारत (25), दोनों मधुबनी बिहार के निवासी थे। वे रोज की तरह खोखे के बाहर सो रहे थे। रात में तेज बारिश और आंधी के कारण पेड़ गिरा जिससे पास से गुजरती बिजली की तार टूट गई और करंट फैल गया। दोनों कर्मचारी उसकी चपेट में आ गए। दमकल विभाग और बीएसईएस की टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों को रेस्क्यू किया। घायलों को एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फॉरेंसिक टीम और बीएसईएस निरीक्षक ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उधर, रविवार तड़के आंधी और तूफान के दौरान सफदरजंग एंक्लेव इ2 ब्लॉक के पास लगा एक मोबाइल टावर गिर गया। इस दौरान बिजली के दो खंबे भी टावर की चपेट में आकर टूट गए। स्थानीय निवासियों के अनुसार टावर करीब 1 महीने पहले लगा था और उसका यहां पर काफी विरोध भी हुआ था। अगर टावर कॉलोनी की तरफ गिरता है तो उससे काफी नुकसान हो सकता था।

दिल्ली की 12 सड़कों पर खत्म होगा ट्रैफिक जाम, पीडब्ल्यूडी के प्लान से हजारों लोगों का सफर होगा आसान

नई दिल्ली। यातायात पुलिस द्वारा सुझाई गईं हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सीमा वाली सड़कों सहित 12 यातायात कॉरिडोर की दशा सुधारने और जाम दूर करने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) योजना बना रहा है। विभाग की रणनीति है कि मानसून के दौरान इन सड़कों की दशा सुधारने के लिए तैयारी पूरी कर ली जाए और मानसून समाप्त होते ही काम शुरू कर दिया जाए। इस दौरान जो काम मानसून के दौरान हो सकते हैं वे जारी रहेंगे। पहले चरण की इस योजना में ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के शालीमार बाग निर्वाचन क्षेत्र में सड़कों को चौड़ा करने के काम के साथ साथ साफ-सुथरे प्रवेश बिंदु और अन्य बागवानी कार्य भी शामिल होगा। यहां बता दें कि इन सड़कों पर कई तरह के काम होने हैं, कहीं पर सड़क टूटी पड़ी, फुटपाथ खराब हैं तो कहीं पर आसपास अतिक्रमण होने से अव्यवस्था रहती है। कहीं पर सड़कों को चौड़ा किया जाना है तो कहीं पर सड़कों को व्यवस्थित किया जाना है। विभागीय जानकारों की मानें तो सड़क निर्माण से संबंधित कार्य को छोड़कर अन्य सभी कार्य मानसून के दौरान भी किए जाएंगे। जिन सड़कों पर यातायात जाम दूर करने पर होना है काम उत्तरी दिल्ली में मजनू के टीला से हनुमान मंदिर तक रिंग रोड आजादपुर मंडी के सामने जीटी रोड (ग्रैंड ट्रंक रोड) एनएच-44 पर लिबासपुर अंडरपास सहित अन्य कॉरिडोर महाराणा प्रताप आईएसबीटी इलाका सिविल लाइंस इलाका कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन से सीईओ कार्यालय, लालकिला होते हुए दिल्ली गेट तक सड़क खंड झंडेवालान मंदिर के पास रानी झांसी रोड को जोड़ने वाला पंचकुइयां मार्ग अंधेरिया मोड़ से आया नगर सीमा (दिल्ली-गुरुग्राम) तक महरौली-गुरुग्राम सड़क उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दिल्ली-उत्तर प्रदेश सीमा के साथ चौधरी चरण सिंह मार्ग दक्षिण दिल्ली में आईआईटी फ्लाईओवर से मोदी मिल फ्लाईओवर तकबाहरी रिंग रोड सफदरजंग अस्पताल से धौला कुआं तक रिंग रोड, जिसमें एम्स लूप भी शामिल होगा आरटीआर से शिव मूर्ति कैरिजवे तक राष्ट्रीय राजमार्ग जखीरा फ्लाईओवर से रोहतक रोड और जखीरा से द्वारका मोड़ तक शिवाजी मार्ग का सड़क खंड पीतमपुरा से सिंगलापुर तक आने वाली सड़क

डीपीएस द्वारका के खिलाफ अभिभावकों ने किया प्रदर्शन, स्कूल पर लगाया मनमानी का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), द्वारका की मनमानी और कोर्ट व शिक्षा निदेशालय के आदेशों की अवहेलना के खिलाफ शुक्रवार को 200 से अधिक अभिभावकों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने इस दौरान मांग की कि दिल्ली सरकार इस स्कूल का अधिग्रहण करे और बच्चों के साथ हो रहे शोषण को तुरंत रोका जाए। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन बच्चों के साथ अमानवीय व्यवहार कर रहा है। उन्हें कक्षाओं से बाहर निकालना, अलग-थलग करना, बाउंसर लगाकर डराना, पुस्तकालय में बंद करना और शौचालय जाने से रोकना जैसी घटनाएं लगातार हो रही हैं। 20 अन्य स्कूलों के अभिभावक भी हुए शामिल प्रदर्शन में दिल्ली के लगभग

20 अन्य स्कूलों के अभिभावक भी शामिल हुए जिन्होंने डीपीएस द्वारका की इस मनमानी का कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि यह लड़ाई केवल फीस की नहीं, बल्कि हर बच्चे के शिक्षा, सम्मान और सुरक्षा के अधिकार की है। प्रदर्शनकारियों ने स्कूल प्रबंधन पर बाल अधिकारों के उल्लंघन का केस दर्ज करने, आडिटिंग में गड़बड़ी करने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लाइसेंस रद्द करने व शिक्षा निदेशालय के अधिकारियों पर भी कार्रवाई की मांग की। अभिभावकों ने सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली सरकार और राष्ट्रपति से अपील की है कि शिक्षा व्यवस्था को माफिया संस्कृति से मुक्त किया जाए। दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट और शिक्षा निदेशालय ने स्कूल को 31 बच्चों का दोबारा नामांकन करने व अतिरिक्त शुल्क लौटाने के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके डीपीएस द्वारका प्रबंधन ने आदेशों को अनदेखा करते हुए इन बच्चों के नाम काट दिए और बाद में उनको वापस स्कूल में शामिल करने के लिए स्कूल की ओर से एक ईमेल भेजा गया पर बच्चों का नाम नहीं शामिल किया। राष्ट्रीय युवा चेतना मंच के राष्ट्रीय महासचिव व डीपीएस द्वारका के अभिभावक महेश मिश्रा ने कहा कि यह केवल फीस की लड़ाई नहीं है, यह हर बच्चे के सम्मान, शिक्षा और सुरक्षा के अधिकार की लड़ाई है।

दिल्ली एयरपोर्ट का एक रनवे बंद, 3 उड़ानें कैंसिल और कई फ्लाइट्स हुईं लेट

नई दिल्ली। अपग्रेडेशन से जुड़े काम के लिए इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई एयरपोर्ट) का एक रनवे आज रविवार से यातायात के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया है। इस रनवे के बंद होने का विमानों की आवाजाही पर असर पहले दिन से ही दिखने लगा है। मध्य रात्रि के बाद से प्रस्थान से जुड़ी अधिकांश उड़ानें विलंबित हैं। अभी तक की जानकारी के अनुसार प्रस्थान की दो तिहाई उड़ानें विलंबित हैं। यदि विलंबित उड़ानों के समय का औसत निकालें तो यह प्रति उड़ान करीब 20 मिनट का है। जो काफी अधिक है। आगमन पर भी असर है, लेकिन यहां प्रस्थान के मुकाबले कम असर नजर आ रहा है। आगमन से जुड़ी 20 प्रतिशत उड़ानें विलंबित हैं। आगमन में औसत विलंब करीब पांच मिनट का है। यूरोप की उड़ानों में देरी जारी एअर इंडिया की यूरोप जाने वाली उड़ानों की स्थिति देखें तो इसमें विलंब का सिलसिला जारी है। अभी भी ईरान की वायु सीमा को बायपास कर ही उड़ानें यूरोप जा रही हैं। यूरोप जा रही एअर इंडिया की उड़ानों में एक घंटे का विलंब सामान्य है। तीन उड़ानों को रद भी किया गया है।

चोरों ने घर में घुसकर 8 लाख रुपए और जेवरात चुराए, शिकायत के बाद पुलिस कर रही ये काम

दक्षिणी दिल्ली। गोविंदपुरी में चोरों ने एक घर में घुसकर आठ लाख रुपये नकद और लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर लिए। घटना के वक्त घर में कोई नहीं था। सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच की।पीड़ित का आरोप है कि मौके पर जांच करने के बावजूद पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया। इस पर उन्होंने शनिवार को ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई है। गोविंदपुरी, कालकाजी की गली नंबर 13 में रहने वाले मोहम्मद ओमान की घर के पास ही मोबाइल एसेसरीज और रिपेयर की दुकान है। वह मूल रूप से बिहार के दरभंगा के रहने वाले हैं। उन्हें 13 जून को अपना मकान बनवाने के लिए

दरभंगा जाना था। ऐसे में 12 जून को शाम करीब साढ़े सात बजे उनकी पत्नी कहकशां परवीन खरीदारी करने बाजार गई थीं, जबकि वह खुद दुकान पर थे। रात करीब साढ़े नौ बजे उनकी पत्नी घर लौटीं और मुख्य दरवाजा खोलकर अंदर दाखिल हुईं तो देखा कि कमरे के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। उसने अपने पति ओमान को इसकी जानकारी दी। ओमान ने बताया कि जब वह घर पहुंचा तो देखा कि अलमारी और बेड के बक्से खुले थे। उसमें रखे आठ लाख रुपये और उसकी पत्नी के करीब साढ़े तीन तोला सोने के जेवरात और करीब 75 तोला चांदी के जेवरात गायब थे। चोरों ने घर के पीछे बालकनी के गेट के ऊपर लगे रोशनदान का शीशा तोड़ दिया और अंदर से गेट की कुंडी खोलकर वहीं से अंदर घुस गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। गोविंदपुरी थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। ओमान ने बताया कि 12 जून की रात जांच के बावजूद पुलिस ने दो दिन तक मामला दर्ज नहीं किया। इस पर उसने शनिवार 14 जून को ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई। आरोप है कि घटना के दो दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस ने मामले की जांच शुरू नहीं की है।

गर्मी की दोहरी मार झेल रहे दिल्लीवाले, बिजली गुल होने से भीषण गर्मी में बिलबिला रहे लोग

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली में भीषण गर्मी पड़ रही है। इस गर्मी का सितम बिजली गुल होने पर और बढ़ जाता है। लोग गर्मी की दोहरी मार झेल रहे हैं। इस गर्मी में बिजली गुल होने से लोग बहुत परेशान हो रहे हैं। बिजली जाने पर लोगों को घरों में भी सुकून नहीं मिल रहा है। सबसे ज्यादा दिक्कत उन लोगों को पेश आ रही है, जिनके घरों में इन्वर्टर नहीं लगे हैं। बिजली जाने पर लोग हाथों से पंखे झल रहे हैं। आधे से एक घंटे तक जा रही है लाइट ब्रह्मपुरी, चौहान बांगर, जाफराबाद, प्रियदर्शनी विहार, मंडावली, सादतपुर, करावल नगर, सुंदर नगरी, त्रिलोकपुरी में बिजली कट होने से लोग परेशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है दिनभर लोग गर्मी झेलते हैं, रात को सोते हैं तो लाइट चली जाती है। पसीने बहने बंद नहीं होते हैं। किसी सूरत में गर्मी से राहत नहीं मिलती है। सादतपुर में रहने वाली सुमन रघुवंशी ने बताया कि कुछ दिनों से रात को एक से डेढ घंटे के लिए लाइट जाती है। अचानक से बत्ती गुल हो जाती है। मैसेज पर बीएसईएस की तरफ से कोई सूचना नहीं होती है। पुलिस थानों में खराब पड़ी हैं ठंडे पानी की मशीन चिलचिलाती गर्मी पड़ रही है। इस गर्मी में रिहायशी क्षेत्र में पीने के पानी की काफी किल्लत चल रही है। इस किल्लत से दिल्ली पुलिस के थाने भी बचे नहीं है। यमुनापार कई थानों में लगी ठंडे पानी की मशीने खराब पड़ी हुई हैं। यह मशीने थाने में इसलिए लगाई गई थी कि थाने में आने वाले फरियादी व कर्मचारी पानी पी सकें। इन खराब पड़ी मशीनों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। दयालपुर, शकरपुर व लक्ष्मी नगर थाने के बाहर लगी ठंडे पानी की मशीन खराब है।

दिल्ली पुलिस मुख्यालय भी पूरे नहीं कर पा रहा अग्नि सुरक्षा के मानक, निरीक्षण में पाई गई कई कमियां

नई दिल्ली। जय सिंह रोड स्थित 18 मंजिला दिल्ली पुलिस मुख्यालय भी अग्नि सुरक्षा के मानक को पूरे नहीं कर पा रहा है। निरीक्षण में कई कमियां पाउए जाने पर दिल्ली अग्निशमन सेवा ने पुलिस मुख्यालय को अग्नि सुरक्षा मंजूरी देने से मना कर दिया। अग्नि शमन सेवा ने 30 मई को भवन का निरीक्षण किया था जिसमें अग्नि मंजूरी के लिए अनुपयुक्त पाया गया। फायर विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक पुलिस अधिकारी को सुधार के उपाय के बारे में बताया गया है, जिसके बाद भवन की फिर से जांच की जाएगी। मानकों के अनुरूप सुधार कर लेने पर अग्नि सुरक्षा मंजूरी दे दी जाएगी। सुधार के उपायों का दिया गया सुझाव पांच जून को लिखे पत्र में फायर विभाग के अधिकारी ने पुलिस विभाग को सूचित किया कि 30 मई को भवन के संयुक्त निरीक्षण के बाद अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र का नवीनीकरण नहीं किया जा सकता है। निरीक्षण में 17वीं मंजिल पर कई खामियां पाई गईं, जिसमें अग्नि जांच दरवाजों को सामान्य कांच के दरवाजों से बदलना और कुछ अग्नि जांच दरवाजों से दरवाजा बंद करने वाले गायब पाए गए, जिससे दबाव प्रणाली अप्रभावी हो गई। लिफ्ट लॉबी का दबाव भी हटा हुआ पाया गया, कुछ स्थानों पर डिटेक्टर काम नहीं कर रहे थे, तथा लिफ्ट लाबी में रिसेप्शन बनाने के कारण स्थान उद्देश्यहीन पाया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने पा में लिखा है कि कमियों को देखते हुए एनओसी के नवीनीकरण पर विचार नहीं किया जा सकता है। अग्निशमन विभाग ने कहा है कि कमियों को जल्द से जल्द ठीक किया जाए और समस्याओं का समाधान होने पर विभाग को सूचित किया जाए। नए भवन का निर्माण सार्वजनिक निजी भागीदारी मोड पर किया गया था, जिसकी कुल लागत 286 करोड़ रुपये थी। लगभग आठ एकड़ में फैले इस भवन में 18 मंजिल हैं, जिसे सभी कार्यात्मक रूप से आवश्यक अधिकारियों, नियंत्रण कक्षों, सम्मेलन कक्षों, नियंत्रण और संचार केंद्र को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया था। नवंबर 2019 तक पुलिस विभाग का मुख्यालय आइटीओ स्थित लोक निर्माण विभाग भवन में था। नए भवन के चालू होने के बावजूद कई वरिष्ठ अधिकारी अभी भी वहीं से काम करते हैं।

जमीनी विवाद को लेकर, दबंगों ने किशोर को बुरी तरह पीटा

गजरौला (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत एक गांव निवासी युवक को दबंगों ने बुरी तरह से पीटकर घायल कर दिया। जिसको लेकर पीड़ित युवक ने नगर कोतवाली में तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव कसेरुआ का है जहां हारुन का परिवार रहता है। रविवार की दोपहर हारुन का बेटा अयान अपना ट्रेक्टर लेकर अपनी जमीन जोतने के लिए खेत पर गया था।अयान ने जानकारी

देते हुए बताया कि उसके पड़ोसी खेत स्वामी गांव निवासी सिप्ते,सोहेल व मेहरुद्दीन ने उनकी जमीन का कुछ हिस्सा कब्जा कर उस मेंढ बना रखी थी जिसको उसने रविवार को खेत की जुताई के दौरान खत्म कर दिया था।जिसका पता खेत स्वामी तीनों दबंगों को लगा तो वह उन्होंने अयान को खेत जोतकर लौटते समय बीच रास्ते में घेर लिया और उसे पीटकर बुरी तरह से घायल कर दिया। जिसके बाद पीड़ित अयान घायल अवस्था में कोतवाली पहुंचा और गांव निवासी दबंगों के खिलाफ तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की। पुलिस द्वारा शिकायती पत्र लेकर जांच के बाद उचित कार्यवाही करने की बात कही गई है।

दिल्ली में कोरोना के 672 एक्टिव मरीज, अब तक 8 लोगों की गई जान; जानिए गुरुग्राम का हाल?

नई दिल्ली। राष्ट्री राजधानी दिल्ली में 24 घंटे में कोरोना के 42 नए मामले सामने आए। वहीं 212 मरीज ठीक हुए। नए मामलों की तुलना में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण अब सक्रिय मरीजों की संख्या घट रही है। दिल्ली में अभी 672 सक्रिय मरीज हैं। वहीं अब तक कुल 1960 मरीज ठीक हो चुके हैं और आठ मरीजों की मौत हुई है। डॉक्टरों का कहना है कि ज्यादातर लोगों को खांसी, सर्दी, गले में खराब व बुखार जैसी हल्की बीमारी हो रही है। अगले कुछ दिनों में यह संक्रमण भी खत्म हो जाएगा। गुरुग्राम में तीन बुजुर्ग समेत 12 मरीजों में कोरोना की पुष्टि साइबर सिटी गुरुग्राम में शनिवार को तीन बुजुर्गों समेत नए 12 मरीजों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई। इसके साथ ही शहर में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 139 हो गई है जबकि 98 संक्रमित स्वस्थ हो चुके हैं। विभाग ने मरीजों के सैंपल को जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए लैब भेजा है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, नए मरीजों में किसी का भी यात्रा का इतिहास नहीं मिला है। सभी कुछ दिन से बीमार थे औरजांच के दौरान कोविड-19 जांच रिपोर्ट पाजीटिव आई है।

पुलिस झपटमारी की वारदात को बना देती है चोरी, जनसुनवाई में उठा मुद्दा

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी जिला प्रशासन की ओर से शनिवार को मयूर विहार फेज-एक स्थित रिवर साइड स्पोर्ट्स क्लब में जनसुनवाई आयोजित की गई। इस बैठक में मयूर विहार की सोसायटी की आरडब्ल्यूए सदस्य व स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया। इस जनसुनवाई में पूर्वी जिला विकास समिति के चेयरमैन रविकांत व एसडीएम मयूर विहार संजय कुमार पहुंचे। बैठक में निगम, प्रशासन, पुलिस, दिल्ली जल बोर्ड समेत कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। डीडीए व उद्यान विभाग के अधिकारी जनसुनवाई से गायब रहे। इस जनसुनवाई में पहुंचे लोग दिल्ली नगर निगम व पुलिस से खफा नजर आए। लोगों ने कहा कहा कि घरों में चोरियां व सड़कों पर झपटमारियां आम हो गई हैं। बाइक सवार बदमाशों का दुस्साहस बढ़ता ही जा रहा है। पलभर में वारदात करके भाग जाते हैं। पीड़ित पुलिस थानों में जाकर झपटमारी की शिकायत लिखवाने के लिए जाते हैं तो पुलिसकर्मी कहते हैं झपटमारी नहीं

चोरी में ऑनलाइन केस दर्ज करवाओ। पीड़ित के साथ होती झपटमारी है, लेकिन पुलिस के दबाव में केस चोरी का दर्ज करवाना पड़ता है। झपटमारी की वारदात पर नकेल कसने में पुलिस पूरी तरह से विफल है। लोगों ने यह भी कहा कि दिल्ली नगर निगम हर रोज अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। लेकिन उस कार्रवाई का कोई असर सड़कों पर देखने को क्यों नहीं मिल रहा है। अतिक्रमण हटने के कुछ ही घंटों बाद फिर से हो जाता है, सवाल पूछा यह किस विभाग की लापरवाही से होता है। दिल्ली जल बोर्ड के पानी की समस्या भी उठाई गई। लोगों ने कहा कि भीषण गर्मी में पानी की बहुत किल्लत है। बाजार से पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है। कई जगह दूषित पानी आ रहा है। जिला विकास समिति के चेयरमैन रविकांत ने कहा कि जनसुनाई का उद्देश्य लोगों को बेहतर सुविधाएं देना है। एक ही छत के नीचे सभी विभागों को बुलाने का एक ही मकसद है कि जनता के काम में कोई रुकावट न आए।

बुरहानपुर के दंपत्ति ने बना डाला हूबहु ताजमहल, वायरल हुआ वीडियो

बुरहानपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर का एक बुजुर्ग कपल उन ज्यादातर लोगों में शामिल है, जो ताजमहल को शहंशाह का दिखावा नहीं बल्कि मोहब्बत की निशानी मानते हैं। इस जोड़े ने अपनी मोहब्बत की निशानी को सदियों तक जिंदा रखने के लिए अपना खुद का ताजमहल बना डाला। इस जोड़े का अपने ताजमहल जैसे घर के चारों तरफ का दौरा करते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में लोग कपल की खूब तारीफ भी कर रहे हैं। बुरहानपुर के रहने वाले आनंद प्रकाश चौकसे और उनकी पत्नी अंजलि ने यह घर बनाया है। यहां एक स्कूल के अंदर संगमरमर से बना यह घर 4 बीएचके है। इस घर को ताजमहल की छोटी प्रति के रूप में बनाया गया है। इंस्टाग्राम और कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे इस वीडियो को प्रियम सारस्वत नाम के यूजर ने पोस्ट किया है। वायरल पोस्ट में सारस्वत कपल से पूछ रहे हैं कि क्या ताजमहल जैसा दिखने वाल घर वाकई उनका है, तो दंपति जवाब देते हुए कहते हैं कि हां, यह घर उन्हीं का है, जिसे ताजमहल की छोटी प्रतिकृति के रूप में बनाया गया है। इस दौरान वो ताजमहल जैसे बने अपने घर के बारे में प्रियम सारस्वत से बताते हैं ।बुरहानपुर के कपल ने ताजमहल जैसे दिखने वाले घर के बारे में बताया कि इसे मकराना संगमरमर से बनाया गया है। उन्होंने कहा कि ताजमहल की मीटर की माप को इस घर में फीट में बदल दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह घर ताजमहल के मुकाबले तीन गुना छोटा है। प्यार की निशानी के रूप में बनाया गया यह घर संगमरमर की गुंबदों, नक्काशीदार खंभों और मेहराबदार दरवाजों के साथ पहले से बने हुए एक स्कूल के अंदर बनाया गया है। इस वायरल वीडियो की सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है।

पत्नी के निधन के 3 दिन बाद कथा करने पहुंचे मोरारी बापू का विरोध, बोले- सूतक में ठीक नहीं

वाराणसी (एजेंसी)। कहते हैं जब लालच मन में होता है तो रीति-रिवाज ओर परंपराओं को भी ठेंगा दिखा दिया जाता है। कथावाचक मुरारी बापू पर भी कुछ इसी तरह के आरोप लग रहे हैं। बापू की मानस सिंदूर कथा से पहले ही काशी में विवाद शुरू हो गया है। पत्नी के निधन के 3 दिन बाद रामकथा के लिए काशी पहुंचे मोरारी बापू का विरोध शुरू हो गया है। सूतक में बाबा विश्वनाथ का स्पर्श दर्शन करने और व्यासपीठ से रामकथा का काशी का शंकराचार्य, संत समाज, काशीतीर्थ पुरोहित और वैष्णव संतों में आक्रोश है। इस पूरे मामले अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने अपनी बात रखी। कहा- सूतक काल में कथा वाचक मोरारी बापू का कथा कहना घोर निंदनीय है। उन्हें इस काल में राम कथा नहीं कहनी चाहिए। उन्होंने धर्म से ऊपर उठकर अर्थ की कामना से इस तरह का कृत्य करना गलत है। ये समाज के लिए निंदनीय है। इससे पहले उन्होंने यह जानते हुए भी कि 32 प्रकार की अग्नि होती है, उन्होंने चिता की अग्नि के सामने फेरे डलवाए थे। व्यास पीठ पर बैठकर अल्लाह-मौला करना उचित नहीं। मंगल का अमंगल से कनेक्शन जोड़ते हैं। वहीं मोरारी बापू का कहना है कि वह वैष्णव साधु हैं और उन पर यह नियम लागू नहीं होता है। रविवार को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में रामकथा के दूसरे दिन मोरारी बापू ने दो मत के भेद को बताया। उन्होंने कहा- बहुत से शब्द ऐसे हैं जिसका मत अलग-अलग होता है। तुलसी दास ने सिंदूर तो कहीं संदूर शब्द का भी प्रयोग किया है। उन्होंने कहा-काशी में लोग विद्वान हैं। उनको मैं प्रणाम करता हूं। स्वामी जितेंद्रानंद ने सवाल उठाए कि ब्रह्मनिष्ठ, ब्रह्मचारी और राजा को सूरत नहीं लगता, तो मोरारी बापू को बताना चाहिए वो किसमें आते हैं? सिर्फ संन्यास परंपरा में ही जीवित खुद का पिंडदान करता है। मोरारी बापू समाज को धोखा न दें, धर्म को धंधे में न बदलें, यही बेहतर होगा।

महाराष्ट्र में दोहराया गया सोनम कांड, पति की बेरहमी से हत्या, दो महीने तक घर में पड़ा रहा शव

नासिक (एजेंसी)। । मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के सोनम रघुवंशी मामले की चर्चा इस समय पूरे देश में हो रही है। इंदौर के राजा और सोनम रघुवंशी मेघालय में हनीमून पर थे, वहीं सोनम और उसके प्रेमी ने राजा रघुवंशी की हत्या कर दी। अभी यह मामला ताजा ही है कि महाराष्ट्र के नासिक में भी ऐसी ही खौफनाक घटना सामने आई है। यहां पत्नी ने अपने पति की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी और उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। इस घटना के सामने आने के बाद हर तरफ हड़कंप मचा है। इस घटना से परिवार के लोग भी स्तब्ध हैं। जानकारी के अनुसार नासिक के सुरगाणा तालुका के मालगोंदा के यशवंत मोहन ठाकरे की उसकी ही पत्नी द्वारा कुल्हाड़ी से काटकर हत्या करने की घटना एक महीने बाद सामने आई है। दरअसल गुजरात के बिलिमोरा में मजदूरी करने गया बेटा दो महीने तक वापस नहीं लौटा तो यशवंत के माता-पिता ने बहू से पूछताछ की लेकिन उसकी कोई खबर नहीं मिली। बहू भी गुजरात के बिलिमोरा के लिए रवाना हो गई। परिवार ने बेटे के लौटने के बारे में पूछताछ करने की कोशिश की। लेकिन उसकी कोई खबर नहीं थी। बेटे का कोई पता नहीं चलते देख माता-पिता हताश हो गए। आखिर में जब यशवंत के भाई की पत्नी उसकी पत्नी प्रभा से मिलने आई तो उसे कुछ संदिग्ध चीजें दिखीं। प्रभा दरवाजे पर यशवंत की चप्पलें गोद में छिपा रही थी। इसी वजह से उसे शक हुआ। फिर उसने ये चीजें अपने पति के कान में डाल दीं। इसके बाद घटना सार्वजनिक हो गई। तलाश करने पर पुलिस को घर के कूड़े के ढेर में उसका शव मिला। पुलिस ने बोरे में बंद क्षत-विक्षत शव को कब्जे में ले लिया और सुरगाणा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिहार में मुफ्त बिजली और डोमिसाइल लागू करेंगे: तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पाल समाज के महासम्मेलन में शामिल हुए। पाल समाज की ओर से तेजस्वी यादव को प्रतीक के तौर पर भेड़ भेंट की गई। वे स्टेज पर ही भेड़ को घुमाते नजर आए। इस मौके पर तेजस्वी यादव ने अपनी भविष्य की योजनाएं साझा करते हुए कहा कि 200 यूनिट बिजली मुफ्त में दी जाएगी। 100 प्रतिशत डोमिसाइल नीति लागू की जाएगी। बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था में सुधार होगा।इस दौरान उनके साथ वरिष्ठ नेता मंगनी लाल मंडल और सांसद संजय यादव भी मौजूद रहे। यादव ने कहा कि आपलोगों का समर्थन लालू जी को मिला, वही प्यार और सम्मान हमें भी मिला है। आपने जो ऋण दिया है, उसे हम जरूर चुकाएंगे। नीतीश जी हमारे चाचा हैं। लेकिन, उन्होंने सभी पर ऋण चढ़ा दिया है। अब उन पर उम्र का असर साफ दिखने लगा है। उन्होंने कहा कि अब राज्य की जिम्मेदारी हम लेंगे और समाज की मांगें हमारी जिम्मेदारी बन गई हैं।

तेजस्वी ने सम्मेलन में वादा किया कि

उनकी सरकार बनते ही पाल समाज को राजनीतिक भागीदारी दी जाएगी। एक आयोग का गठन किया जाएगा, जो समाज की समस्याओं और मांगों पर काम करेगा। बीजेपी आरक्षण खत्म करना चाहती है। आरक्षण की सीमा बढ़ाई। लेकिन, बीजेपी ने हमेशा दलितों और अति पिछड़ों को नौकरी में नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने बीजेपी को आरक्षण चोर पार्टी करार दिया। उन्होंने कहा कि बिहार को देखकर पीड़ा होती है। 20 साल से नीतीश मुख्यमंत्री हैं, 11 साल से मोदी प्रधानमंत्री हैं, लेकिन गरीबों और बेरोजगारों की कोई सुनवाई नहीं हो रही। महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अब तो महिलाएं भी सुरक्षित नहीं हैं।

तेजस्वी ने कहा कि जब वे सत्ता में थे, तो बहाली करवाई लेकिन बीजेपी को ये पच नहीं रहा। वे आरएसएस के स्कूलों में पढ़े हैं, इसलिए आरक्षण और सामाजिक न्याय के विरोधी हैं। महंगाई को लेकर उन्होंने स्मृति ईरानी पर तंज कसते हुए कहा कि पहले गैस के दाम बढ़ने पर सड़कों पर आती थीं, आज महंगाई उन्हें भौजाई लग रही है। तेजस्वी ने आगे कहा कि जब मैंने नौकरी दी तो क्या वह जंगलराज था? अस्पतालों में छापा मारा, तो क्या वो गुनाह था? निवेश लाया तो क्या गलत किया? उन्होंने पूछा कि बीते 20 वर्षों में सरकार ने क्या किया? तेजस्वी की उम्र भले ही कच्ची हो, लेकिन जुबान पक्की है। अभी सत्तर-पचहत्तर तक राजनीति करेंगे। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बिहार में अपराध बढ़े हैं। मुख्यमंत्री को उपमुख्यमंत्री का नाम तक पता नहीं है। सरकार अचेत अवस्था में हैं गाड़ी 15 साल बाद खटारा हो जाती है तो 20 साल पुरानी सरकार को क्यों मौका दें? लालू यादव पर बीजेपी के आरोपों पर तेजस्वी ने कहा कि बीजेपी ने लालू प्रसाद पर डॉ. अंबेडकर के अपमान का झूठा आरोप लगाया है।

ईरान से युद्ध के बीच इजरायल में हाई-अलर्ट पर भारतीय दूतावास

नई दिल्ली। ईरान से जारी भीषण युद्ध के बीच इजरायल के तेल अवीव में मौजूद भारतीय दूतावास हाई-अलर्ट पर है। शनिवार को दूतावास ने एक चौबीसों घंटे चलने वाली आपातकालीन हेल्पलाइन स्थापित की और उसके साथ ही भारतीय नागरिकों को लगातार चौकन्ने रहने का परामर्श जारी किया गया। यह जानकारी भारतीय दूतावास ने अपनी एक एक्स पोस्ट के जरिए दी। जिसमें बताया कि हम लगातार उभरते हुए हालातों पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। जिसमें भारत के नागरिकों की सुरक्षा भी शामिल है। अगर किसी को कोई आपातकालीन सहायता चाहिए तो 24×7 हेल्पलाइन नंबर 97254-7520711, 97254-3278392 और जारी ईमेल के जरिए संपर्क में बने रहें।

दूतावास ने अपने परामर्श में भारतीयों को यह भी हिदायत दी है कि वो इजरायल के अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड द्वारा बताए जा रहे सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। यहां बता दें कि दूतावास की तरफ से इजरायल द्वारा ईरान पर की गई ऑपरेशन राइजिंग लायन की कार्रवाई के बाद भी ऐसा ही एक परामर्श जारी किया गया था। जिसमें कहा गया था कि भारतीय नागरिक सतर्कता बरतें और देश यानी इजरायल के अंदर अनावश्यक यात्रा करने से बचें। साथ ही नागरिकों को सुरक्षा ठिकानों के करीब रहने की हिदायत भी दूतावास द्वारा दी गई थी। इजरायल ने ईरान पर तड़के 13 जून को किए गए हमले में उसके परमाणु, मिसाइल और सैन्य ठिकानों पर हमला बोला था। जिसमें ईरान के कई शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इजरायल के खिलाफ ड्रोन से बड़ा हमला किया। जिसमें लगभग तीन लोगों की जान चली गई और दर्जनों घायल हो गए हैं। दोनों देशों के बीच तनाव फिलहाल चरम पर है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत की है।

ईरान-इजरायल युद्ध को लेकर ओवैसी ने की विदेश मंत्री जयशंकर से अपील

-ईरान में फंसे भारतीय छात्रों और इराक में फंसे श्रद्धालुओं को निकालें

हैदराबाद (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में चल रहे ईरान-इजरायल युद्ध के बीच एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस अहम मुद्दे की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने एक ट्वीट के जरिए बताया कि ईरान में 1,595 भारतीय छात्र फंसे हैं, जिनमें से 140 मेडिकल छात्र तेहरान यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे हैं। इसके अलावा, इराक में 183 भारतीय श्रद्धालु भी संकट में हैं। ओवैसी ने बताया कि उन्होंने विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव से संपर्क किया है और वहां फंसे सभी भारतीय नागरिकों की पूरी जानकारी भी साझा की है।

ओवैसी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से तत्काल ईरान से भारतीय लोगों को निकालने के अभियान को शुरू करने की अपील की है। तेलंगाना से संबंधित छात्रों और श्रद्धालुओं की सुरक्षित वापसी के लिए ओवैसी ने तेलंगाना के सीएमओ से भी अपील की है। ओवैसी ने अपने ट्वीट में लिखा- ईरान में 1,595 भारतीय छात्र फंसे हुए हैं, जिनमें 140 मेडिकल छात्र तेहरान यूनिवर्सिटी में हैं। इसके अलावा, 183 भारतीय श्रद्धालु इराक में फंसे हैं। उनकी जल्द से जल्द निकासी जरूरी है। मैं विदेश मंत्री जयशंकर और तेलंगाना सीएमओ से अपील करता हूं कि इनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाए।

बता दें इस समय ईरान और इजरायल के बीच चल रही सैन्य कार्रवाई से न केवल इन देशों बल्कि आसपास के इलाकों में भी स्थिति अस्थिर है। एयरस्पेस बंद हैं, बमबारी और ड्रोन हमले लगातार जारी हैं। ऐसे में भारतीय नागरिकों की जान को खतरा होने की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। ईरान और इजरायल में भारतीय दूतावास ने वहां मौजूद भारतीयों को सतर्क और सुरक्षित रहने के अपील की है।

राहुल चीन-पाक दूतावास और विदेशी मीडिया पर भरोसा करते हैं देश पर नहीं

-केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को राहुल गांधी पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने महाकुंभ में हुई भगदड़ के दौरान हुई मौतों की गलत रिपोर्टिंग को लेकर योगी सरकार की आलोचना की थी। गिरिराज ने राहुल गांधी पर बार-बार विदेशी स्रोतों और बयानों पर भरोसा करने का आरोप लगाया, जो उनके मुताबिक भारत की छवि को कमजोर करते हैं। गिरिराज ने राहुल गांधी की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि राहुल गांधी चीनी-पाकिस्तानी दूतावास और बीबीसी की रिपोर्ट पर भरोसा करते हैं, लेकिन उन्हें अपने देश पर भरोसा नहीं है। यह राहुल गांधी की विश्वसनीयता का सही प्रतिबिंब है।

उन्होंने कहा कि चाहे ऑपरेशन सिंदूर हो या बीबीसी की कोई भी रिपोर्ट वह हमेशा भारत के खिलाफ बोलते हैं। ऐसा लगता है जैसे उन्होंने देश के खिलाफ ही बोलने की कसम खा ली है। बता दें यह विवाद तब शुरू हुआ जब राहुल गांधी ने बुधवार को बीबीसी की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि महाकुंभ में भगदड़ में मरने वालों की वास्तविक संख्या योगी सरकार ने छिपाई थी। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा- बीबीसी की रिपोर्ट से पता चलता है कि कुंभ मेले में भगदड़ में हुई मौतों के आंकड़े छिपाए गए थे। कोविड की तरह गरीबों के शवों को आंकड़ों से मिटा दिया गया। हर बड़ी रेल दुर्घटना के बाद की तरह सच्चाई को दबा दिया जाता है। सत्तारूढ़ बीजेपी की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि यह बीजेपी मॉडल है। अगर गरीबों की गिनती नहीं होगी, तो जवाबदेही भी नहीं होगी। राहुल गांधी की टिप्पणियों पर बीजेपी नेताओं की तीखी प्रतिक्रिया दी थीं, जिसमें कई लोगों ने उन पर संवेदनशील मामलों का राजनीतिकरण करने और घरेलू संस्थानों की बजाय विदेशी मीडिया पर भरोसा करने का आरोप लगाया था।

तिरुवनंतपुरम में हुई ब्रिटिश एफ-35 लड़ाकू विमान की आपात लैंडिंग

तिरुवनंतपुरम। ईंधन खत्म होने के बाद शनिवार रात एक ब्रिटिश एफ-35 लड़ाकू विमान की अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विमान ने एक विमानवाहक पोत से उड़ान भरी थी और यह रात करीब साढ़े नौ बजे सुरक्षित उतर गया। सूत्रों के मुताबिक हवाई अड्डा प्राधिकारियों ने सुचारू एवं सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन स्थिति की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पायलट ने कम ईंधन की सूचना दी और उतरने की अनुमति मांगी। पूरी स्थिति से शीघ्रता और पेशेवर तरीके से निपटा गया। विमान फिलहाल हवाई अड्डे पर ही खड़ा है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र सरकार के संबंधित अधिकारियों से मंजूरी मिलने के बाद ही विमान में ईंधन भरा जाएगा।

अरुणाचल में बारिश का कहर, बीते एक सप्ताह से चीन से सटा जिला हुआ बेहाल

इटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश का अंजाव जिला देश के अन्य हिस्सों से पिछले आठ दिनों से पूरी तरह से कटा हुआ है। भारत-चीन और भारत-म्यांमार सीमा को जोड़ने वाला नेशनल हाइवे-113 पर भी कई जगह कटाव और गड्ढे हो गए हैं। इसकी वजह से यह रास्ता भी इस्तेमाल के लायक नहीं है। इस हाइवे के अरोवा-खुपा-हायुलियांग के मोनपानी सेक्शन पर भी हालात ठीक नहीं है। इस वजह से स्थानीय लोगों तो परेशानी हो ही रही है। साथ ही रणनीतिक रूप से अहम चीनी सीमा से सटे इलाकों तक पहुंचना भी मुश्किल हो रहा है।

स्थानीय अधिकारियों ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इसमें स्थानीय निवासियों से रात में यात्रा करने से बचने और सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। इस बीच महिला एवं बाल विकास मंत्री और इस क्षेत्र से विधायक दासांग्लू पुल ने जमीन पर

हालात का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि मोनापानी में काम चल रहा है। इसके लिए अधिकारी पूरी शिद्दत से जुटे हुए हैं। इसके अलावा फंसे हुए लोगों की मदद के लिए हेलीकॉप्टर सेवा भी शुरू की गई है। रास्ता बंद होने के चलते दूर स्थित किबिथू और चगलगाम तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। चीन और म्यांमार की सीमा से जुड़े होने के चलते यह दोनों इलाके रणनीतिक रूप से बेहद अहम हैं। वहीं, कई इलाकों में स्थानीय समुदाय के लोग अलग-थलग पड़ गए हैं। खासतौर पर हायुलियांग, हवाई और आसपास के गांवों में चीजों की भारी किल्लत हो रही है। वाहनों का यातायात ठप होने के चलते तमाम स्थानीय लोग कई किलोमीटर पैदल चलकर जरूरी चीजें लाने के लिए विवश हैं।

बनेगा अस्थायी रास्ता

मंत्री पुल ने यह भी बताया कि अस्थायी तौर पर एक रास्ते की मंजूरी दी गई है, ताकि भविष्य में किसी तरह की दिक्कत होने पर उसका इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहाकि एक बार हालात सामान्य हो जाने के बाद इस नए रास्ते के लिए काम शुरू होगा। एनएच-113 कॉरिडोर के महत्व पर जोर देते हुए मंत्री ने कहाकि यह रास्ता हाइवे से बढ़कर है। यह लाइफलाइन है। मैं लोगों से अपील करती हूं कि शांति और सहयोग बनाए रखेंगे। लोगों की समस्या को हल करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

पूर्व एमएलए के समर्थकों ने अजित पवार के कार्यक्रम में किया हंगामा

-समझाने के बाद भी नहीं माने तो पुलिस ने किया बाहर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में भूख हड़ताल पर बैठे पूर्व विधायक बच्चू कडू के समर्थकों ने शनिवार को पुणे में एक कार्यक्रम में डिप्टी सीएम अजित पवार के संबोधन शुरू करते ही हंगामा कर नारेबाजी की। यह घटना उस समय हुई जब पवार एक आदर्श विद्यालय के उद्घाटन और शिक्षकों को पुरस्कार वितरित करने के लिए मंच पर आए। करीब 10 मिनट तक चले घटनाक्रम के बाद प्रदर्शनकारियों को कार्यक्रम स्थल से बाहर निकाला गया।

कडू के समर्थकों ने आरोप लगाया कि अचलपुर के पूर्व विधायक की भूख हड़ताल के बावजूद राज्य सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। कडू पिछले सात दिनों से अमरावती की तेओसा तालुका के गुरुकुंज मोजारी में भूख हड़ताल पर हैं। वह राज्य के किसानों के लिए पूर्ण ऋण माफी और दिव्यांगजनों के लिए छह हजार रुपए प्रति माह सहायता की मांग कर रहे हैं।

बता दें कार्यक्रम में जब अजित पवार संबोधित करने के लिए खड़े हुए तो कडू के कुछ समर्थकों ने उन्हें बीच में रोक दिया और नारेबाजी करने लगे। पुलिस और अन्य अधिकारियों ने जब कडू के समर्थकों को रोकने की कोशिश की तो पवार ने अधिकारियों से उन्हें अपनी बात कहने को कहा। डिप्टी सीएम ने उन्हें शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि शुक्रवार को राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कडू से बात की थी और कहा था कि एक समिति बनाने का फैसला लिया गया है और उनकी मांगों पर फैसला लिया जाएगा।

कडू के समर्थक हालांकि किसी बात को सुनने को राजी नहीं थे, जिसके बाद अजित पवार ने पुलिस को निर्देश दिया कि वे उन्हें सभागार से बाहर ले जाएं। पुलिस ने निर्देश का पालन करते हुए समर्थकों को बाहर निकाल दिया। एक महिला समर्थक ने बाद में आरोप लगाया कि सरकार कडू की मांगों के प्रति उदासीन है, जबकि वह पिछले एक सप्ताह से किसानों की मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कडू को कृषि ऋण माफी की मांग पर फैसला लेने के लिए एक समिति गठित करने का आश्वासन दिया था।

विमान गिराने का पाक का दावा झूठा, एफ-35 से ज्यादा खतरनाक है राफेल: एरिक

-यह जासूसी मिशन, परमाणु प्रतिरोध और एयरक्राफ्ट से उड़ान भरेन में सक्षम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में आंतकी ठिकानों को तबाह करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया। इससे पाकिस्तान भड़का और भारत पर हमले किया, लेकिन भारत की जवाबी कार्रवाई के आगे वह टिक नहीं सका। भारतीय सेना ने उसकी सभी कोशिशों का नाकाम कर दिया। भारत से मिली हार के बाद पाकिस्तान ने पुरानी तरकीब अपनाई। अपनी इस हार को जीत बताने के लिए कई दावे करने लगा।

इस दौरान पाकिस्तान ने दावा किया था कि इस संघर्ष में उसने भारत के तीन राफेल समेत पांच लड़ाकू विमानों को मार गिराया। हालांकि इसके लिए ना तो सबूत दिए और ना ही कोई तथ्य। अब राफेल बनाने वाली कंपनी ने पाकिस्तान के इस दावे को खारिज कर दिया है। फ्रांस की विमान निर्माता कंपनी के सीईओ एरिक ट्रापि ने पाकिस्तान द्वारा तीन भारतीय राफेल फाइटर जेट मार गिराने के दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने इस दावे को गलत और तथ्यहीन बताया है।

एरिक का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ ही दिनों बाद पेरिस एयर शो आयोजित होने वाला है और दुनियाभर में आधुनिक लड़ाकू विमानों की युद्ध-क्षमता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय राफेल के गिरने की खबरें गलत हैं। हमें राफेल की क्षमताओं और उसकी जंग में टिकाऊपन पर पूरा यकीन है। उन्होंने कहा कि राफेल एक बहुपयोगी विमान है। यह हवा से हवा में लड़ाई, भूमि पर हमले, जासूसी मिशन, परमाणु प्रतिरोध, और एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान में सक्षम है। एरिक ने राफेल की तुलना में कहा यह एफ-22 जैसे स्टील्थ विमानों से मुकाबले में कुछ सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन एफ-35 की तुलना में राफेल युद्ध के लिए ज्यादा बेहतर है। चीन के मौजूदा लड़ाकू विमानों से कहीं ज्यादा सक्षम है राफेल। बता दें पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने कुछ दिन पहले एक इंटरव्यू में दावा किया था कि पाकिस्तान ने 5 भारतीय लड़ाकू विमान, जिनमें 3 राफेल शामिल थे, मार गिराए हैं। कुछ भारतीय सैनिकों को बंदी भी बनाया गया है। हालांकि पाकिस्तान ने इन दावों का कोई ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं किया गया है। भारतीय रक्षा सूत्रों ने कहा है कि

भारत को कुछ नुकसान हुआ, लेकिन आईएएफ ने पाकिस्तान को कहीं ज्यादा क्षति पहुंचाई है। भारत ने 6 पाकिस्तानी लड़ाकू विमान, 2 निगरानी विमान, 1 सी-130 ट्रांसपोर्ट प्लेन, 30 से ज्यादा मिसाइलें और कई ड्रोन तबाह किए हैं।

17 जून से क्रिकेट में होंगे बड़े बदलाव, आईसीसी ने कर दी घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने पुरुषों के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए खेल की परिस्थितियों में बड़े बदलावों की घोषणा की है। टेस्ट मैचों के लिए 17 जून, वन-डे इंटरनेशनल (ODI)के लिए 2 जुलाई और टी20 इंटरनेशनल के लिए 10 जुलाई को नियम परिवर्तन लागू किए जाएंगे। इन बदलावों की सिफारिश ICC पुरुष क्रिकेट समिति ने की थी और रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कार्यकारी समिति ने इन्हें मंजूरी दी थी। मुख्य अपडेट में ODI में गेंदों के इस्तेमाल के बारे में एक नया नियम और कन्कशन सब्सटीट्यूट के लिए एक अपडेटेड प्रोटोकॉल शामिल है।

वनडे मैचों में 34 ओवर के बाद सिर्फ एक गेंद का इस्तेमाल

अब तक वनडे में दोनों छोर से दो नई गेंदों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन नए नियम के तहत 34वें ओवर के बाद बदलाव होगा। पारी की शुरुआत से लेकर 34वें ओवर के अंत तक दो गेंदों का इस्तेमाल किया जाएगा, दोनों छोर से एक-एक। हालांकि 35वें ओवर से लेकर पारी के अंत तक, गेंदबाजी टीम द्वारा दो में से केवल एक गेंद का चयन किया जाएगा और दोनों छोर से उसका इस्तेमाल किया जाएगा। अगर मैच शुरू होने से पहले 25 ओवर या उससे कम का हो जाता है, तो शुरू से केवल एक नई गेंद का इस्तेमाल किया जाएगा। बल्लेबाजी और गेंदबाजी के बीच बेहतर संतुलन लाने के लिए ICC ने यह बदलाव किया है।

सभी प्रारूपों में कन्कशन रिप्लेसमेंट के लिए नए नियम

ICC ने कन्कशन सब्सटीट्यूट नियम को भी संशोधित किया है ताकि इसे और अधिक संरचित बनाया जा सके और मैचों के दौरान किसी भी तरह की उलझन से बचा जा सके। अब से टीमों को खेल शुरू होने से पहले मैच रेफरी को पांच संभावित सब्सटीट्यूट खिलाड़ियों की सूची सौंपनी होगी। इस सूची में प्रत्येक विशिष्ट भूमिका के लिए एक खिलाड़ी, एक बल्लेबाज, एक विकेटकीपर, एक तेज गेंदबाज, एक स्पिनर और एक ऑलराउंडर शामिल होना चाहिए।

यह बदलाव हाल के मैचों में कुछ विवादास्पद क्षणों के बाद आया है। उदाहरण के लिए इस साल जनवरी में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ एक टी20आई मैच के दौरान बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे की जगह गेंदबाजी ऑलराउंडर हर्षित राणा को शामिल किया था। राणा ने तीन विकेट लिए जिससे इस तरह के प्रतिस्थापन की निष्पक्षता के बारे में बहस छिड़ गई।

नया नियम ऐसी स्थितियों को रोकेगा क्योंकि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि केवल समान विकल्प की अनुमति दी जाए। यदि नामित कन्कशन विकल्प भी घायल हो जाता है, तो मैच रेफरी मूल पांच में से किसी एक प्रतिस्थापन को मंजूरी दे सकता है, लेकिन केवल तभी जब वह उसी खेल भूमिका से मेल खाता हो।

इन बड़े बदलावों के अलावा ICC

मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (MCC) से एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण अपडेट भी अपना रहा है। 'बनी हॉप' नियम के तहत क्षेत्ररक्षक सीमा के बाहर से कूदकर हवा में कैच ले सकते थे, अब ऐसा कैच अमान्य होगा। इसका उद्देश्य कैच को साफ-सुथरा बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि आउट निष्पक्ष और स्पष्ट रूप से सीमा के भीतर हों।

युवा तेज गेंदबाज मार्को ऑलराउंडरों में हो सकते हैं शुमार: पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज मार्को जेनसन भविष्य में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडरों में शुमार हो सकते हैं। यह मानना है ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और आईसीसी हॉल ऑफ फेमर रिकी पोंटिंग का। पोंटिंग ने कहा कि जेनसन के पास गेंद और बल्ले दोनों से कमाल करने की काबिलियत है और वे अपने करियर के शुरुआती दौर में ही प्रभावशाली प्रदर्शन कर रहे हैं। पोंटिंग ने जेनसन को नजदीक से तब देखा जब वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोचिंग के दौरान उनके साथ जुड़े।

उन्होंने कहा कि जेनसन लंबी कद-काठी वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी तकनीकी क्षमता और मानसिक संतुलन उन्हें खास बनाते हैं। लॉर्ड्स में चल रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन जेनसन ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को बुरी तरह झकझोर दिया। उन्होंने 14 ओवर में 49 रन देकर तीन अहम विकेट झटके, जिनमें मार्नस लैबुशेन और ट्रैविस हेड जैसे बल्लेबाज शामिल थे। दूसरे दिन उंगली में चोट लगने के बावजूद जेनसन मैदान पर लौटे और एक बार फिर लाबुशेन को 22 रन पर आउट कर यह दिखा दिया कि उनमें खेल के प्रति जबरदस्त जज्बा है। पोंटिंग ने कहा कि वह बेहद शांत स्वभाव के हैं और मैदान पर उतरने के बाद उनमें एक मजबूत प्रतिस्पर्धा की भावना नजर आती है, जो उन्हें खास बनाती है। आईपीएल 2025 में जेनसन ने पंजाब किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने विकेट भी चटकाए और जरूरत के समय उपयोगी रन भी बनाए।

भारत में उनके खेल को देख पोंटिंग को जेनसन की प्रतिभा पर भरोसा हो गया और उन्हें यह उम्मीद है कि वे आने वाले वर्षों में टेस्ट क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली ऑलराउंडरों में शामिल होंगे। पोंटिंग ने अंत में कहा कि जेनसन अभी करियर की शुरुआत में हैं, लेकिन उनमें वह सब कुछ है जो किसी खिलाड़ी को महान बनाता है। वहीं, जेनसन ने भी पोंटिंग से मिली सीख को बेहद कीमती बताया और कहा कि उन्होंने खासकर मानसिक रूप से सकारात्मक सोचने की कला सीखी है। जेनसन के अनुसार, पोंटिंग हमेशा अच्छा देखने और सोचने की प्रेरणा देते हैं, जो उन्हें मैदान पर स्थिर और आत्मविश्वासी बनाए रखती है।

सौरव गांगुली की गिल को सलाह... बुमराह का इस्तेमाल विकेट टेकर के रुप में करे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को बेहतर बनने के लिए भारतीय गुट को सलाह दी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास लेने के बाद शुभमन गिल के नेतृत्व में टीम नए दौर की शुरुआत करेगी। भारतीय टीम ने आगामी सीरीज के लिए तैयारी शुरू कर दी है। पूर्व कप्तान गांगुली ने कहा है कि गिल को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान बुमराह को बतौर विकेट टेकर इस्तेमाल करना चाहिए।

गांगुली ने कहा, आपको देखना होगा और एक दिन में बुमराह से 12-13 ओवर से ज्यादा गेंदबाजी नहीं करने देनी है। गिल को बुमराह को इसतरह से इस्तेमाल करना चाहिए। मुझे लगता है कि चार तेज गेंदबाज महत्वपूर्ण हैं। यहां, दूसरों को सिराज, अर्शदीप जैसे योद्धाओं की जरूरत होगी। नितीश या शार्दुल ठाकुर के बारे में निश्चित नहीं हूं। शायद वे बल्ले से कुछ रन बना सकें, लेकिन मुझे लगता है कि भारत को सात बल्लेबाजों का साथ देना चाहिए और विशेषज्ञ गेंदबाजों की जरूरत है, क्योंकि हमें टेस्ट मैच जीतने के लिए 20 विकेट चाहिए।

6 माह बाद लाल गेंद से मैच खेलने वाले बुमराह को कई स्पैल में गेंदबाजी करने और अपनी फिटनेस को परखने का मौका मिलेगा। भारतीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा के दौरान बताया था कि मेडिकल टीम से मिले परामर्श के अनुसार 31 वर्षीय बुमराह सभी पांच टेस्ट मैचों में नहीं खेलने वाले है। पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज का आगाज 20 जून को लीड्स में होगा।

इंग्लैंड सीरीज के लिए भारत की टेस्ट टीम- शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उप-कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

भूटिया ने फुटबॉल महासंघ के प्रमुख कल्याण के आरोपों को खारिज किया

कोलकाता (एजेंसी)। दिगगज फुटबॉलर और भारतीय टीम के पर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) प्रमुख कल्याण चौबे में आजकल घमासान छिड़ा है। एएफसी एशियाई कप क्वालिफाइंग दौर के मैच में हांगकांग के हाथों भारतीय टीम की हार के बाद जहां भूटिया ने एआईएफएफ प्रमुख पर भारतीय फुटबॉल को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि वह अपना पद छोड़ दें। वहीं इसके बाद कल्याण ने भी पलटवार करते हुए भूटिया पर

अपने स्वार्थ के लिए व्यावसायिक अकादमियां चलाने का आरोप लगाया है। जिन्हें भूटिया ने खारिज कर दिया है। कल्याण ने कहा कि वह अपने नाम से एक व्यावसायिक फुटबॉल स्कूल चलाते हैं। वह 20 अलग अलग शहरों में हैं। इस फुटबॉल स्कूल में खिलाड़ी 1000 से एक लाख रुपये तक का भुगतान करते हैं। उनसे एक हजार से 10000 रुपये तक महीना लिया जाता है। चौबे भूटिया फुटबॉल स्कूल का जिक्र कर रहे थे जिसकी देश भर में कई अकादमियां हैं। एआईएफएफ अध्यक्ष ने कहा कि ये पूरी तरह से निहित स्वार्थ है पूरी तरह से व्यावसायिक है। वे परिवारों की भावनाओं, लोगों की भावनाओं के साथ खेलकर लाभ उठा रहे हैं। लोग सोचते हैं कि उस

व्यक्ति ने भारतीय फुटबॉल को उच्चतम स्तर पर पहुंच बनाई है और अगर मैं उनकी अकादमी का हिस्सा बन सकता हूं तो मैं भी एक अच्छा फुटबॉल खिलाड़ी बन जाउंगा जो सही नहीं है। वहीं भूटिया ने चौबे के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि चौबे को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि अकादमी कैसे चलाई जाती है। उन्होंने कहा है कि उन्होंने अपने फुटबॉल स्कूल अपनी मेहनत की कमाई से खोले हैं। इसके लिए उन्होंने राज्यों, केंद्र और कॉरपोरेट्स से कोई पैसा नहीं लिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि, पिछले दो सालों में बच्चों की मदद के लिए केवल कुछही प्रायोजक आए हैं। देश भर में मेरे स्कूलों में हर दिन 6000 से ज्यादा बच्चे खेलते हैं।फीस को लेकर जो आंकड़ा कल्याण ने बताया है वह सही नहीं है। फीस उतनी ही ली जाती है जिससे कि कोच का वेतन और मैदान का शुल्क दिया जा सके ।

गौतम गंभीर की अनुपस्थिति में भारत को अस्थायी रूप से मिला नया मुख्य कोच

बेंगलुरु । गौतम गंभीर अपनी मां को दिल का दौरा पड़ने के बाद भारत लौट आए हैं। उम्मीद है कि वे 20 जून तक वापस आ जाएंगे जिस दिन बर्मिंघम में भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच शुरू होगा। ऐसे में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण गौतम गंभीर की अनुपस्थिति में भारतीय क्रिकेट टीम की देखरेख करेंगे। फिलहाल शुभमन गिल की अगुवाही वाली टीम इंडिया बेकेनहैम में 4 दिवसीय इंट्रा-स्क्वाड मैच खेल रही है। लक्ष्मण पहले से ही इंग्लैंड में मौजूद हैं और गंभीर के इंग्लैंड लौटने तक उनकी भूमिका संभालेंगे। लक्ष्मण वर्तमान में भारत की अंडर-19 टीम की देखरेख कर रहे हैं जिसमें आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी जैसे सितारे हैं। अंडर-19 टीम को 17 जून से 23 जुलाई तक इंग्लैंड अंडर-19 टीम के खिलाफ 7 मैच खेलने हैं। इसका मतलब है कि लक्ष्मण की इंग्लैंड में मौजूदगी टीम इंडिया के साथ ही हुई। लक्ष्मण पहले भी अस्थायी तौर पर भारत के मुख्य कोच के तौर पर काम कर चुके हैं और एनसीए, इंडिया ए और अंडर-19 टीम के प्रमुख के तौर पर ज्यादातर खिलाड़ियों के साथ काम कर चुके हैं, इसलिए सीनियर इंडिया टीम की देखरेख करना लक्ष्मण के लिए कोई समस्या नहीं होगी।

हमने सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया : बावुमा

लंदन । दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा ने लॉर्ड्स में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली जीत पर खुशी मनाने हुए कहा है कि हमारी टीम ने उन लोगों को करारा जवाब दिया है जो हमपर संदेह करते थे। बावुमा के अनुसर कई लोगों ने उनकी टीम के फाइनल में पहुंचने पर सवाल उठाये थे1 उनका कहना था कि टीम कमजोर विरोधियों को हराकर फाइनल तक पहुंची है1 मजबूत और भावनात्मक संदेश भेजा जिन्होंने उनके शिखर मुकाबले के रास्ते पर सवाल उठाए थे। बावुमा ने कहा '' एक टीम के रूप में हमने अपने को फाइनल में पहुंचाया। माना जाता है कि हमने कमजोर टीमों को हराया। यह उनके लिए है जो हम पर संदेह करते हैं। सवाल उठाने वालों ने निचली रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ उनकी जीत की ओर संकेत किया था पर उनकी टीम ने जीत के साथ ही करारा जवाब दिया। अंतिम दिन 278 रनों का पीछा करते हुए और लाल गेंद के क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर एक ऑस्ट्रेलियाई जैसी टीम को हराया। एडेन मार्करम ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शतक लगाया। बावुमा ने अपने साथी बल्लेबाज मार्करम की तारीफ की और कहा उनकी पारी अविश्वसनीय थी। आंकड़े महत्वपूर्ण हैं, लेकिन हम चरित्र को देखते हैं और वह एडेन में है। हमारे लिए एक और बेहतरीन खिलाड़ी। कप्तान ने स्टार तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा की भी जमकर प्रशंसा की । जिन्होंने फाइनल से पहले आलोचनाओं के घेरे में आने के बाद दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी करके मैच का रुख ही पलट दिया।

खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर कोच मोर्कल ने जताया संतोष

लंदन (एजेंसी)। भारत-इंग्लैंड के बीच 20 जून से प्रारंभ हो रहे पांच टेस्ट मुकाबले से पूर्व भारतीय खिलाड़ी ट्रेनिंग सेशन में जमकर पसीना बहा रहे हैं। ट्रेनिंग सेशन के दौरान टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर संतोष जताया है।

गेंदबाजी कोच ने इस बात पर जोर दिया है कि अभ्यास के साथ-साथ मैदान पर निरंतरता इंग्लैंड में महत्वपूर्ण होगी। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर मोर्ने मोर्कल का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें मोर्कल ने कहा, अब तक के दो दिवसीय अभ्यास में, परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल थीं। यह बल्लेबाजों के लिए एक परीक्षा थी, जो एक तरह से उन्हें आने वाले समय के लिए तैयार होने में भी मदद करती है। मुझे नहीं लगता कि विकेट में उतनी जान होगी, जितना हमने यहां अनुभव किया है।उन्होंने आगे कहा, बल्ले

और गेंद के बीच कशमकश काफी अच्छी रही है, लेकिन मुझे लगता है कि यह केवल इसलिए है क्योंकि विकेट में थोड़ी-सी जान है। जैसे ही विकेट सपाट हो जाता है, गेंदबाज पीछे हट जाते हैं। मैं उन्हें बताऊंगा कि केवल तब आक्रामकता दिखाएं, जब विकेट में बाउंस हो। जब विकेट सपाट हो, तब हमें अपना कैरेक्टर दिखाना होगा। गेंदबाजी कोच ने कहा, मुझे लगता है कि इंग्लैंड में निरंतरता महत्वपूर्ण है। जब हम अभ्यास करते हैं तो निरंतरता होती है। मैदान के बाहर निरंतरता होती है। यह जानना होता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर आपके लिए क्या बेहतर होगा। हमारे पास बहुत विविधता है, हमारे आक्रमण में विविधता है, अलग-अलग स्किल्स वाले खिलाड़ी हैं, इसलिए वे ऐसा कर सकते हैं और फिर भी बुनियादी बातों को अच्छी तरह से लागू कर सकते हैं।

मोर्केल ने कहा, कुल मिलाकर, अब तक की शुरुआत से खुश हूं। हम जिस तरह से लाल गेंद से नहीं खेले हैं, उसे देखते हुए मैं थोड़ा नर्वस था, लेकिन पिछले तीन दिनों में खिलाड़ियों की ट्रेनिंग देखना सुखद है। हमारे पास एक शानदार टीम है, ऊर्जा है, आपको इसकी जरूरत है। आपको टेस्ट सीरीज में आत्मविश्वास के साथ खेलने और टीम भावना रखने की जरूरत है। बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज के साथ भारतीय टीम 2025-27 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत करने जा रही है।

तमिलनाडु प्रीमियर लीग में एक गेंद पर तीन बार रनआउट का मौका हाथ से निकला

चेन्नई । यहां जारी तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपील) 2025 के एक मैच में एक अनूठा वाकया सामने आया। यहां डिंडीगुल ड्रैगन्स और मदुरै पैंथर्स के बीच मैच में एक ही गेंद पर तीन बार रन आउट का मौका निकल गया। इस दौरान यहां अंपायर और बल्लेबाज तक हंसने लगे। इसका एक विडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इस मुकाबले में हालांकि डिंडीगुल ने मदुरै को नौ विकेट से हरा दिया। इस मैच में डिंडीगुल ड्रैगन्स के तेज गेंदबाज गणेशन पेरियास्वामी की वाइड यॉर्कर गेंद को गुरजपनीत सिंह ने कवर्स में मारा। डिंडीगुल के कप्तान रविचंद्रन अश्विन, जो कवर्स पर खड़े थे, ने गेंद को उठाया और नॉन-स्ट्राइकर एंड की तरफ फेंका पर पेरियास्वामी गेंद को नहीं पकड़ पाए। इससे मदुरै के बल्लेबाजों रन के लिए दौड़ पड़े। अश्विन के थ्रो के बाद दीप स्क्वायर लेग फील्डर ने गेंद को पकड़ा और स्ट्राइकर एंड की ओर फेंका जिसे इस बार विकेटकीपर बाबा इंदिराजीत पकड़ नहीं पाये। उसके बाद एक और थ्रो किया उसे भी पकड़ा नहीं जा सका। इस प्रकार डिंडीगुल ने एक ही गेंद पर तीन रनआउट के अवसर खो दिये।

स्मिथ को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज तक फिट होने की उम्मीद

लंदन । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को उम्मीद है कि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज तक फिट हो जाएंगे। स्मिथ को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान उंगुली में चोट लग गयी थी। स्मिथ को ये चोट कैच लेने के प्रयास में लगी इसी कारण उन्हें तीसरे दिन के खेल के दौरान अपनी दाहिनी छोटी उंगली में डिस्लोकेशन के बाद अस्पताल ले जाया गया था। भेजा गया। स्मिथ के लिए रिकवरी काफी अच्छी रही है और उन्हें सर्जरी की जरुरत नहीं पड़ी। अब उनके वेस्टइंडीज के खिलाफ 25 जून से शुरू होने वाली आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने की संभावना है। स्मिथ ने कहा, मैं अब आठ सप्ताह तक स्प्लिंट में रहूंगा और शायद कुछ सप्ताह में मैं इसके साथ खेल सकूं। यह मेरी कार्यक्षमता और मैं क्या कर सकता हूं, इस पर निर्भर करेगा। स्मिथ ने कहा, गेंद मेरे हाथ में ठीक से नहीं गई और सौभाग्य से वहां कोई फ्रैक्चर नहीं था और यह सिर्फ त्वचा को चीरती हुई और खिसकती हुई चली गई जिससे मैं उस समय काफी दर्द महसूस कर रहा था। इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि हाल ही में उत्तरी लंदन के प्रसिद्ध स्थल पर मैचों को याद करते हुए अब उनके मन में मिश्रित भावनाएं हैं। उन्होंने कहा, अब इस जगह के साथ मेरा प्यार और नफरत का रिश्ता है। यहां मेरी कुछ अच्छी यादें हैं और कुछ अच्छी नहीं भी हैं। 2019 में जोफा (आर्चर) की गेंद पर मेरे सिर पर चोट लगी थी और अब कल यहां भी मेरी उंगली टूट गई। लेकिन यह क्रिकेट खेलने के लिए एक शानदार जगह है और मैंने यहां इसका आनंद ।

ऑस्ट्रेलियाई कोच मैकडॉनल्ड ने टीम में बदलाव के संकेत दिये

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूसीसी) फाइनल में अपनी टीम की हार पर निराशा जतायी है। कोच ने कहा कि अब नये डब्ल्यूसीसी चक्र में टीम बदलावों के साथ उतरेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम लॉर्ड्स की दूसरी पारी में बल्लेबाजी में विफल रही थी। मार्नस लाबुशेन को उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत के लिए भेजा गया था जिससे वापसी कर रहे कैमरून ग्रीन को तीसरे नंबर पर उतारा जा सके पर ये प्रयोग विफल रहा। लाबुशेन रन बनाने में असफल रहे। उनके अलावा ख्वाजा और ग्रीन भी अधिक देर नहीं टिक पाये। मैकडॉनल्ड ने कहा, इस टेस्ट मैच से पहले पारी की शुरुआत को लेकर काफी बात हुई थी और मैं ओपनिंग संयोजन की जरूरत के बारे में बात कर रहा था। हमने वहां कुछ बदलाव किये पर अब समय आ गया है कि किसी को स्थायी तौर पर रखा जाये। हमको यह कहना होगा कि इस टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका बेहतर था। हमें उन सुधारों पर ध्यान देना होगा जो हमें करने की आवश्यकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है। इस सत्र में लाबुशेन का औसत सिर्फ 27.82 रहा है, और ऐसे में उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली सीरीज में शायद ही जगह मिले। मैकडॉनल्ड ने जोर देकर कहा कि वह टीम के भविष्य का एक बड़ा हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, उस उम्र में टेस्ट क्रिकेट में 45, 46 का औसत रखने वाला कोई भी खिलाड़ी महत्वपूर्ण है। हमारे पास ऐसे पुराने खिलाड़ी हैं जो शुरुआत की तुलना में अंत के करीब हैं। हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं जो आ रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर वह अगले 4 से 5 सालों तक अपने खेल को अच्छे क्रम में रख सकता है, तो वह उस बल्लेबाजी क्रम को मजबूत कर सकता है हालांकि इस बार वह बड़े स्कोर बनाने से रह गया है पर हमें विश्वास है कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर वापस आ सकता है और इसलिए हम उसे टीम में रखते हैं।

सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन का बड़ा कदम, नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा में बनाएगा 50 मैदान

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ का दंतेवाड़ा नक्सल प्रभावित जिले के ठप्पे को खत्म कर रहा है और स्थानीय प्रशासन की अनोखी पहल की बदौलत खेल केंद्र के रूप में अपनी नई पहचान बना रहा है। प्रशासन की इस पहल को महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के फाउंडेशन का समर्थन प्राप्त है। जिले में नक्सलियों का प्रभाव धीरे-धीरे कम हो रहा है इसलिए प्रशासन ने मान देशी फाउंडेशन और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के साथ मिलकर 'मैदान कप' की शुरुआत की है। इसके तहत दंतेवाड़ा में खेल संस्कृति और प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए 50 खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे।

दंतेवाड़ा के कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बताया, ''इस परियोजना के तहत सामुदायिक भागीदारी से अब तक जिले में कम से कम 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं और अक्टूबर तक लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा।' पिछले साल राज्य सरकार ने बस्तर क्षेत्र के दंतेवाड़ा और छह अन्य जिलों की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया था।

दुदावत ने कहा कि इसका उद्देश्य नक्सल प्रभावित और संवेदनशील जिलों की खेल प्रतिभाओं को खेलों के माध्यम से दुनिया से जोड़ना था। उन्होंने कहा, 'इसी तर्ज पर हमने सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन के सहयोग से खेल प्रतिभाओं को और बढ़ावा देने के लिए बच्चों और युवाओं को समर्पित खेल के मैदान उपलब्ध कराने के लिए मैदान कप शुरू करने का फैसला किया।'

दुदावत ने कहा कि पहले चरण में 50 गांवों में इतने ही खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे और अगले चरण में इसे पूरे जिले में दोहराया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि 13 विभिन्न खेलों की सुविधाओं के साथ 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं जिनमें रनिंग ट्रैक, गोला फेंक, भाला फेंक, चक्का, लंबी कूद, वॉल क्लाईंबिंग आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन स्वयं भी खेल के मैदानों का निर्माण कर सकता था लेकिन विचार यह था कि युवाओं और बच्चों को आकर्षित करने के लिए समुदाय और सचिन तेंदुलकर जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों को इसमें शामिल किया जाए।

दुदावत ने कहा, 'लंबे समय में हम चाहते हैं कि अगला सचिन तेंदुलकर, नीरज चोपड़ा और पीटी उषा बस्तर से आएं।' अधिकारी ने कहा कि इस पहल के तहत अपने क्षेत्रों में खेल के बेहतरीन मैदान विकसित करने वाली पंचायतों को स्केटिंग पार्क से पुरस्कृत किया

जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एक आवासीय खेल शहर भी बना रहा है जहां क्षेत्र के पदक जीतने की क्षमता वाले शीर्ष खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस खेल शहर में क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी के मैदान, स्विमिंग पूल और अन्य खेल सुविधाएं होंगी।

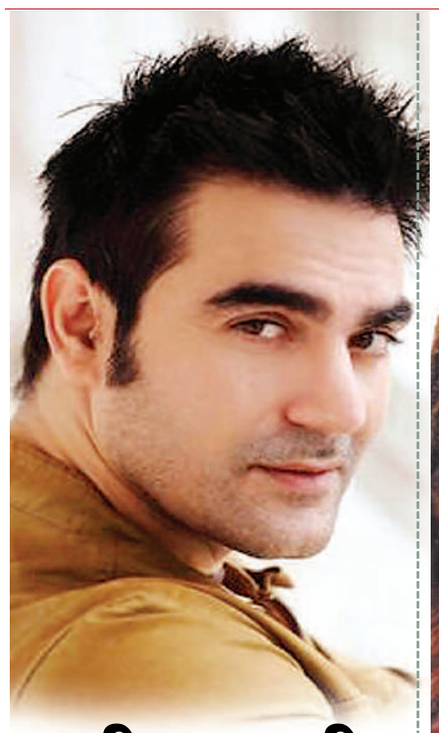

पत्नी शूरा की प्रेग्नेंसी पर अरबाज ने तोड़ी चुप्पी

अरबाज खान और शूरा खुशहाल शादीशुदा जिंदगी जी रहे हैं। दोनों अपने परिवार का विस्तार कर रहे हैं। खान परिवार में जल्द नन्हा मेहमान आने वाला है। अरबाज खान की पत्नी शूरा खान काफी वक्त से अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में अब खुद अरबाज खान ने इस बारे में प्रतिक्रिया दी है।

2023 में रचाई अरबाज ने शूरा से शादी

अरबाज खान दूसरी बार पिता बनेंगे। बता दें कि शूरा एक्टर की दूसरी पत्नी हैं। अरबाज खान और उनकी पहली पत्नी मलाइका अरोड़ा का एक बेटा अरहान खान है। 2017 में मलाइका और अरबाज का तलाक हो गया। इसके बाद साल 2023 में अरबाज ने शूरा से शादी रचाई। एक बार फिर पिता बनने को लेकर अरबाज खान उत्साहित हैं।

यह फ्रेश फीलिंग है

शूरा खान की प्रेग्नेंसी की खबरें जब से वायरल हुई हैं, तब से अरबाज खान ने पहली बार इस पर प्रतिक्रिया दी है। अरबाज खान ने कहा कि वे नर्वस हैं। साथ ही कहा कि इस समय हर कोई नर्वस होता है। अरबाज ने यह भी माना कि वह काफी समय बाद पिता बन रहे हैं, इसलिए यह उनके लिए फिर से एक फ्रेश फीलिंग है।

अरबाज खान ने आगे कहा, मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। यह मुझे खुशी और जिम्मेदारी का नया एहसास दे रहा है। मुझे यह पसंद आ रहा है। शूरा की प्रेग्नेंसी की चर्चा तब शुरू हुई जब उन्हें एक मैटरनिटी क्लिनिक के बाहर देखा गया। हालांकि, अब तक कपल ने इस खबर को गुप्त रखा है। अभी तक उन्होंने इस खुशखबरी का आधिकारिक एलान नहीं किया है। हालांकि, अब जब अरबाज खान ने हाल ही में शूरा की प्रेग्नेंसी पर जब बात की है तो उम्मीद की जा सकती है कि वे इस खबर की आधिकारिक पुष्टि कर सकते हैं।

अरबाज खान के वर्क फ्रंट की बात करें वे बतौर निर्माता दबंग 4 पर काम कर रहे हैं। वह फिल्म में माखनचंद पांडे की भूमिका भी निभा सकते हैं। अरबाज ने कहा, दबंग 3 और दबंग 4 के बीच का समय दूसरे और तीसरे भाग के बीच जितना लंबा नहीं होगा। हम इसे बनाने जा रहे हैं।

जेनेलिया ने बताया क्यों उन्हें नहीं मिलते 'सितारे जमीन पर' जैसे रोल

अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस फिल्म में जेनेलिया आमिर खान के साथ उनकी पत्नी की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए जेनेलिया एक लंबे वक्त बाद बॉलीवुड की किसी बड़ी फिल्म में नजर आएंगी। हाल ही में जेनेलिया ने अपनी भूमिका के बारे में बताया कि इस किरदार के लिए उन्हें कई बार ऑडिशन देना पड़ा, जिससे उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। इसी दौरान जेनेलिया ने ये जरूर बताया कि आखिर क्यों उन्हें अब इस तरह के किरदार ऑफर नहीं हो रहे हैं।

यह आमिर सर की महानता है, उन्होंने मुझमें कुछ देखा

'सितारे जमीन पर' में अपने किरदार सुनीता के बारे में बात करते हुए जेनेलिया ने कहा कि वो इस तरह के किरदार और भी करना चाहती हैं। फिल्मीमंत्रा मीडिया के साथ अपनी हालिया बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'जब लोगों को पता चला कि मैं सितारे जमीन पर कर रही हूं, तो सभी ने कहा कि हे भगवान, कितनी किस्मतवाली हो तुम, आमिर खान की फिल्म कर रही हो। इस पर मैंने कहा, बेशक यह आमिर सर की महानता है कि उन्होंने मुझमें कुछ देखा। बेशक, उन्होंने मेरा ऑडिशन लिया। लेकिन आप भी ऐसा कर सकते हैं। आप मुझे कोई भूमिका भी दे सकते हैं।'

'फिल्म मेकिंग बदल गई, अब हमें अपनी सोच बदलने की जरूरत'

जेनेलिया ने आगे और निर्देशकों के उन्हें इस तरह के किरदार में न लेने के पीछे की वजह का जिक्र किया। अभिनेत्री ने 'सितारे जमीन पर' में उनके किरदार को लेकर प्रतिक्रिया देने वालों को संबोधित करते हुए कहा, 'आप भी मुझे ऐसे किरदारों में ले सकते हैं, लेकिन आप मानदंडों के अनुसार चलते हैं। शायद आपको लगता है कि मैं शादीशुदा हूं इसलिए मुझे इस किरदार की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि फिल्म मेकिंग बदल गई है। इसलिए हमारी मानसिकता भी बदलनी चाहिए।'

सही किरदार चुनना महत्वपूर्ण

अभिनेत्री ने आगे कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि अगर आप किसी खास उम्र का किरदार चाहते हैं, तो आपको उसी उम्र के किसी व्यक्ति को कास्ट करना चाहिए। जब हम किसी ऐसे अभिनेता को कास्ट करते हैं जो मेरे द्वारा निभाए गए किरदार से बहुत छोटा होता है, तो वे उस किरदार की छोटी-छोटी बातें नहीं समझ पाते। सही किरदार चुनना महत्वपूर्ण है। मुझे उम्मीद है कि सभी को अवसर मिलेंगे। 20 जून को रिलीज होगी सितारे जमीन पर आरएस प्रसन्ना द्वारा निर्देशित स्पोर्ट्स कॉमेडी फिल्म सितारे ज़मीन पर 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को लेकर आमिर लगातार जेनेलिया के साथ प्रमोशन में जुटे हैं। 'लाल सिंह चड्ढा' के बाद आमिर इस फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। फिल्म में जेनेलिया आमिर की पत्नी के किरदार में नजर आई हैं।

दिव्या दत्ता ने बताया क्यों रहना चाहती हैं कुंवारी

दिव्या दत्ता उन बॉलीवुड कलाकारों में से एक हैं जिन्होंने सुष्मिता सेन, तब्बू और सलमान खान जैसे सितारों की तरह बिना शादी के रहने का फैसला चुना। दिव्या ने हाल ही में अपने बातचीत में अपने इस फैसले को लेकर खुलकर बातें की हैं और बताया है कि आखिर ये ऑप्शन उन्होंने क्यों चुना।

दिव्या ने बातचीत में अपने विचारों को शेयर करते हुए कहा, अगर आपको एक अच्छा साथी मिल जाए तो शादी करना बहुत अच्छा है। अगर नहीं तो ज़िंदगी खूबसूरती से आगे बढ़ती है। एक बेकार सी शादी में बधे रहने से बेहतर है कि आप खुद ही खुद का ख्याल रखें। किसी रिश्ते में खुद को नीचा दिखाने की बजाय, खुद से प्यार करना बेहतर है। मेरी तरफ बहुत से मर्दों का अटेंशन खूब रहता है और मैं इसे इंजॉय करती हूं लेकिन रिश्ता तब बनना चाहिए जब आप कनेक्ट होते हैं। अगर आपको लगता है कि वह व्यक्ति आपका हाथ थाम सकता है। अगर ऐसा नहीं है तो मेरे आस-पास मेरे कई प्यारे दोस्त हैं और मैं अपने लिए वहां हूं।

मुझे लगता है कि मैं ओवर क्वॉलिफाइड हूं

उन्होंने आगे कहा कि वह शादी नहीं करना चाहती हैं। दिव्या ने कहा, मैं शादी नहीं करना चाहती लेकिन मुझे एक साथी चाहिए जिसके साथ मैं ट्रैवल कर सकूं और अगर नहीं तो भी मैं खुश हूं। आप जानते हैं, मेरे सबसे अच्छे दोस्त ने मुझे एक कोट भेजा – एक शख्स पूछता है– तुम सिंगल क्यों हो? तुम सुंदर, आकर्षक, देखभाल करने वाली हो तो मैंने कहा– मुझे लगता है कि मैं ओवर क्वॉलिफाइड हूं। एक समय आता है जब आप पूर्णता की तलाश बाहर करते हैं, जो जरूरी नहीं है। यह जरूरी नहीं है कि आप तभी पूर्ण होंगे जब एक अच्छा साथी आपके जीवन में आएगा। मुझे यह गलतफहमी थी। मैं अपने दिल की बात खुलकर कहती थी – लेकिन अब ऐसा नहीं है।

दिव्या की आनेवाली फिल्म

दिव्या आखिरी बार फिल्म छावा में दिखीं। लक्ष्मण उटेकर निर्देशित इस फिल्म में विक्की कौशल ने छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाई थी, साथ ही अक्षय खन्ना ने सम्राट औरंगजेब और रश्मिका मंदाना ने येसुबाई भोंसले की भूमिका निभाई थी। वहीं अब दिव्या अगली बार अर्जुन रामपाल के साथ नास्तिक में नज़र आएंगी। शैलेश वर्मा द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में इहाना ढिल्लन और हर्षाली मल्होत्रा भी हैं। फ़िल्म की रिलीज़ की तारीख अभी सामने नहीं आई है।

क्या इब्राहिम अली की इस बात से प्रेशर फील करती हैं पलक तिवारी?

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी भी फिल्मों में एक्टिंग कर रही हैं। वह अब तक दो फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। पलक ने करियर की शुरुआत सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से की थी। हाल ही में वह फिल्म 'द भूतनी' में नजर आईं। मैशेबल इंडिया से की गई हालिया बातचीत में जब पलक तिवारी से पूछा गया कि क्या वह मौजूदा नए एक्टर्स जैसे इब्राहिम अली खान, सुहाना खान और अनन्या पांडे की एक्टिंग से किसी तरह का प्रेशर फील करती हैं? पलक का जवाब था, 'प्रेशर लेकर काम करोगे तो वह बिल्कुल भी अच्छा नहीं होगा। फिर प्रेशर लेने का क्या फायदा।' पलक का इतना जरूर कहना है कि उनके साथ के एक्टर्स काफी सपोर्टिंग हैं।

यशराज फिल्म्स की जासूसी दुनिया में विक्की कौशल की 'नो एंट्री'

इस साल वैलेंटाइंस डे पर रिलीज हुई फिल्म 'छावा' की सफलता के बाद से अब तक इसके मुख्य कलाकार विक्की कौशल की कोई नई फिल्म घोषित नहीं हुई है। उनके पास इसके पहले से बन रही अब भी इकलौती फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' ही है। इस बीच उनके करीबियों ने फिल्म जगत में ये बात फैलानी शुरू कर दी है कि विक्की को यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स में एक बड़ा किरदार मिल गया है।

यशराज फिल्म्स की जासूसी दुनिया की अगली फिल्म 'वॉर 2' के पोस्ट प्रोडक्शन का काम इन दिनों जोरों पर है। बुधवार से फिल्म के मुख्य अभिनेताओं में से एक जूनियर एनटीआर ने अपनी डबिंग भी शुरू कर दी है। इस बीच मुंबई के एक अंग्रेजी अखबार में विक्की कौशल के यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स में शामिल होने की जैसे ही 'खबर' छपी, पूरे हिंदी फिल्म जगत में इसे लेकर बड़ी हलचल शुरू हो गई। विक्की कौशल की फीस एकाएक दोगुनी हो जाने की चर्चाएं भी हिंदी फिल्म जगत में बीते कुछ महीनों से चल रही हैं। इस बीच इस नई सुरसुरी ने सबके कान और खड़े कर दिए। इस बारे में 'अमर उजाला' ने तहकीकात की तो पता चला कि ये बात अभी तक सच नहीं है। यशराज फिल्म्स ने इस बारे में कोई आधिकारिक बयान वगैरह तो जारी नहीं किया है लेकिन उनकी जासूसी दुनिया से जुड़े फिल्म जगत के एक विश्वस्त सूत्र ने बताया कि ऐसा कोई डेवलपमेंट अभी तक यशराज फिल्म्स में नहीं हुआ है। तहकीकात के दौरान ये भी पता चला कि खुद विक्की कौशल ने इस बारे में अपनी तरफ से फीलर्स यशराज फिल्म्स को भेजे हैं। लेकिन, अभी कंपनी का पूरा ध्यान अगस्त में रिलीज हो रही अयान मुकर्जी निर्देशित ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी अभिनीत 'वॉर 2' पर ही है और इसके रिलीज होने के तुरंत बाद आलिया भट्ट और शर्वरी की इसी जासूसी दुनिया की अगली फिल्म 'अल्फा' को रिलीज करने की तैयारियां शुरू हो जाएंगी। यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'पठान 2' पर भी काम शुरू होने की चर्चाएं काफी दिनों से चलती रही हैं, लेकिन बताया जाता है कि शाहरुख खान के साथ अभी इस फिल्म की पटकथा पर बैठकें होनी बाकी हैं और ये फिल्म उनकी अपनी होम प्रोडक्शन फिल्म 'किंग' की शूटिंग पूरी होने के बाद ही शुरू हो सकेगी।

रश्मिका की तारीफ में बोले नागार्जुन वो टैलेंट की पावरहाउस है

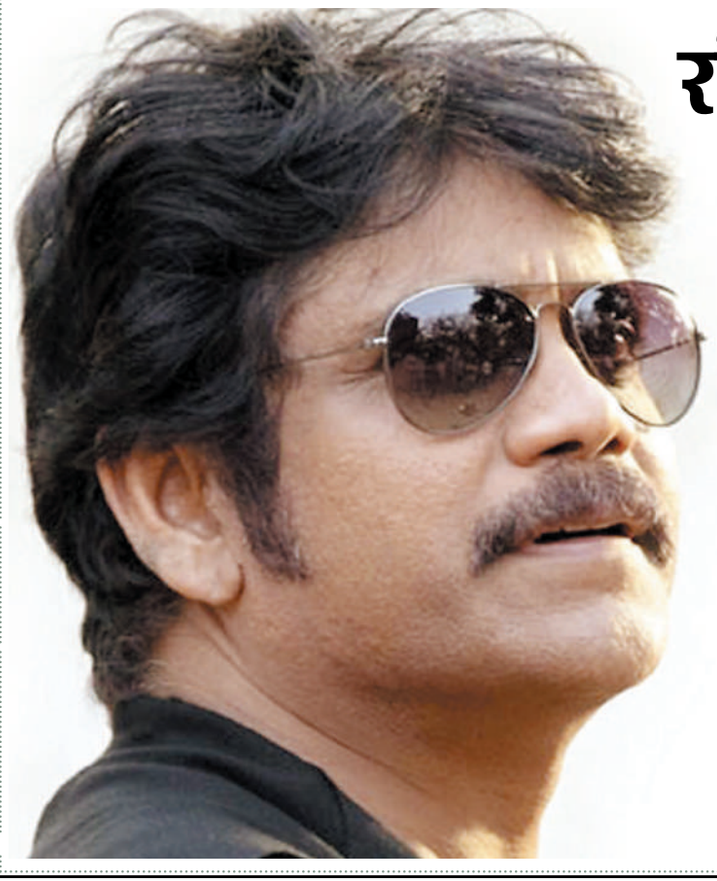

धनुष, नागार्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'कुबेर' लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। हाल ही में मुंबई में फिल्म का म्यूजिक लॉन्च इवेंट हुआ, जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट नजर आई। इस दौरान सुपरस्टार नागार्जुन ने फिल्म की शूटिंग के अपने अनुभव और कलाकारों को लेकर बात की। नागार्जुन ने फिल्म के निर्देशक शेखर कम्मुला और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की भी तारीफ की।

उत्तर भारत में मेरी फिल्मों को हमेशा मिली सराहना

इवेंट के दौरान नागार्जुन ने बोलते हुए कहा, जब भी मैं मुंबई आता हूं, एयरपोर्ट से होटल और इवेंट तक, हर जगह मुझे ऑडियंस का ढेर सारा प्यार और अपनापन मिलता है। लोग मुझसे हमेशा कुछ नया और बड़ा करने की उम्मीद रखते हैं। अपने करियर की शुरुआत से ही, चाहे वो 'शिव' हो, 'खुदा गवाह', 'क्रिमिनल', 'जख्म' या 'अंगारे', मुझे उत्तर भारत की ऑडियंस ने हमेशा सराहा है। नार्थ में मेरी डब फिल्में भी यहां खूब पसंद की गई हैं। यहां के लोगों का मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

पैन इंडिया सिनेमा ही भविष्य है

अभिनेता ने आगे कहा कि मैं उत्तर भारत की ऑडियंस का दिल से धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने दक्षिण भारत की फिल्मों को इतना प्यार दिया। आजकल हर कोई पूरे भारत की फिल्में देख रहा है और सराह रहा है। पैन इंडिया फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। कुबेर तमिल, तेलुगू और हिंदी में रिलीज होगी। मुझे लगता है, यही इंडियन सिनेमा का भविष्य है।

एक जैसे रोल बार-बार नहीं कर सकता

फिल्म के बारे में बात करते हुए नागार्जुन ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। जब मुझे यह ऑफर मिला, मैं सोच रहा था कि आगे क्या नया करूं। एक जैसे रोल बार-बार नहीं कर सकता। तभी शेखर कम्मुला, जिनके साथ मैं 15 साल से काम करना चाहता था, मेरे पास आए और बोले- क्या आप ये रोल करना चाहेंगे? मैंने बिना पूछे हां कर दी, क्योंकि मैं जानता था कि शेखर कम्मुला शानदार फिल्ममेकर हैं, उनकी इमोशंस बहुत सच्ची हैं। जब मैंने हां कहा तो शानदार स्टारकास्ट भी जुड़ गई। मुझे जिम सरभ के साथ काम करने का मौका मिला, जो कमाल के कलाकार हैं। उन्होंने मुझसे भी बेहतर तेलुगू डायलॉग बोले। दलिप साहब के साथ भी काम करना शानदार रहा।

रश्मिका टैलेंट की पावरहाउस हैं

रश्मिका मंदाना की तारीफ करते हुए नागार्जुन ने कहा कि रश्मिका टैलेंट की पावरहाउस हैं। उनकी पिछली तीन साल की फिल्मोग्राफी शानदार रही है। उनकी फिल्में 2000-3000 करोड़ रूपए का कलेक्शन करती हैं। वह हम सभी से बेहतर हैं। वह बहुत मेहनती हैं। मैंने डबिंग थिएटर से ही उन्हें फोन कर उनकी तारीफ की। वह फिल्म में शानदार, स्पॉन्टेनियस और ऑडियंस को खूब हंसाने वाली हैं। फिल्म का हिस्सा बनने के लिए मैं उनका धन्यवाद करना चाहता हूं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।